पृष्ठ... 4 पर पढ़ें..

पलक मुछाल ने बचाई 3000 मासूमों की जान

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का

लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

वर्ष : 42 ■ अंक : 86 ■ गुरुवार, 13 जून 2024 ■ 3 रुपए ■ पृष्ठ 4

ANDROID APP ON Google play /ulhasvikas संपादक – हीरो अशोक बोधा (BMM, L.LB.) Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

डोंबिवली में फिर विस्फोट

- डोंबिवली MIDC फेज-2 की इंडो अमीन्स कंपनी में लगी भीषण आग
- निवासियों में भय का माहौल

आकिब शेख

कल्याण. डोंबिवली एमआईडीसी फेज-2 में अमुदान हादसे के ठीक बीस दिन बाद 'इंडो अमीनस' नामक कंपनी में आग लगने की भीषण घटना हुई है, जिससे आसपास के निवासी डरे और सहमे हुए हैं। यह घटना बुधवार सुबह साढ़े दस बजे की है। इसके पहले गुरुवार 23 मई की दोपहर पौने दो बजे के करीब एमआईडीसी फेज-2 के अमुदान केमिकल कंपनी में भीषण ब्लास्ट हुआ था। जिसमें 12 लोगों की जान गई थी, और करीब 68 लोग घायल हुए थे। 'इंडो अमीनस' में आग लगने के कुछ देर बाद आग ने विकराल रूप धारण कर लिया, जिसके चलते 'मालदे कैपिसिटर' नाम की कंपनी भी चपेट में आ गई। गनीमत यह रही कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। करीब तीन-साढ़े तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद दमकलकर्मियों ने आग को काबू में किया। आग के दौरान सिलेंडर ब्लास्ट की घटना भी सामने आई है।आग की इस घटना में वर्कशॉप के बाहर रिपेयर के लिए खड़ी कई चार पहिया वाहनें भी जलकर खाक हो गई।

■ 20 दिन में दूसरी घटना

एमआईडीसी फेज-2 के अमुदान केमिकल कंपनी हादसे के ठीक बीस दिन यह दूसरी घटना हुई है। बीते 23 मई को अमुदान कंपनी में भीषण ब्लास्ट हुआ था, जिसमें 12 लोगों की जान गई थी और 68 लोग घायल हुए थे। बीस दिन बाद बुधवार 12 जून को इंडो अमीनस कंपनी में लगी आग ने तांडव मचाया। एमआईडीसी में आग और विस्फोट की लगातार हो रही घटनाओं से निवासी डरे हुए हैं, और उनकी सुरक्षा को लेकर सवाल उठाया जा रहा है।

■ स्कूली बच्चों को सुरक्षित निकाला गया

इंडो अमीनस कंपनी में आग लगने के बाद कंपनी के पीछे मौजूद अभिनव स्कूल के बच्चों को पुलिस एवं फायरकर्मियों की मदद से समय रहते सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

■ शासन को भेजी गई है रिपोर्ट–डीसीपी गुंजाल

घटनास्थल पर मौजूद कल्याण के डीसीपी सचिन गुंजाल ने कहा कि आग पूरी तरह नियंत्रित हो चुकी है। जहां तक खतरनाक कंपनियों को हटाने की बात है तो उसकी रिपोर्ट शासन को भेजी गई है। शासन का जो निर्णय होगा उस हिसाब से काम किया जाएगा।

एमआईडीसी कंपनियों के हस्तांतरण को लेकर शासन ने लिया ठोस निर्णय

- उद्योग मंत्रालय के प्रधान सचिव की अध्यक्षता में उपसमिति गठित

कल्याण. कल्याण-डोंबिवली एमआईडीसी में बार-बार हो रही दुर्घटनाओं को देखते हुए उद्योग मंत्रालय ने कंपनियों को वहां से हस्तांतरित करने का निर्णय लिया है। बुधवार को एमआईडीसी में हुई आग की भीषण घटना के बाद केडीएमसी की आयुक्त डॉ.इंदुराणी जाखड़ ने प्रेसवार्ता कर बताया कि एमआईडीसी में बार-बार हो रही दुर्घटनाओं को लेकर शासन ने कंपनियों को हस्तांतरित करने का ठोस निर्णय लिया है। अमुदान ब्लास्ट के बाद उद्योग मंत्रालय के प्रधान सचिव की अध्यक्षता में समिति गठित की गई थी। अब तक समिति की तीन बैठकें हो चुकी हैं, जिसमें स्थानीय स्तर पर एक उपसमिति का गठन किया गया है। आयुक्त श्रीमती जाखड़ ने बताया कि उपसमिति एमआईडीसी स्थित कंपनियों का सर्वे करेगी, उसके बाद उसका नियोजन किया जाएगा। नियोजन के उपरांत इन कंपनियों को तीन श्रेणियों में अलग-अलग शिफ्ट किया जाएगा। इसके लिए उपसमिति को 20 जून तक सर्वे रिपोर्ट उद्योग मंत्रालय के प्रधान सचिव के पास पेश करना है। एक सवाल के जवाब में आयुक्त ने कहा कि बफर जोन का मेंटेन करना एमआईडीसी का उत्तरदायित्व है।

करंट लगने से बिजली कर्मचारी की मौत

- मराठा सेक्शन की घटना
- प्री-मानसून कार्य के दौरान हुआ हादसा
- आखिर किसकी लापरवाही से जान गई?
- बिजली खंभे पर मरम्मत कार्य कर रहा था कर्मचारी

उल्हासनगर. उल्हासनगर में एक चौंकाने वाली घटना घटी है, जहां प्री-मानसून कार्य करते समय महावितरण के एक कर्मचारी की करंट लगने से मौत हो गई।

उल्हासनगर कैंप 4 मराठा सेक्शन के स्टेशन क्षेत्र में महावितरण के कर्मचारी उज्ज्वल गणेरकर ग्राहकों की शिकायतें दूर करने के लिए बिजली के खंभे पर चढ़ रहे थे, तभी अचानक डॉ. अहिरे के क्लिनिक के पास लगे ट्रांसफार्मर पर उज्वल को आकाशीय बिजली से जोरदार करंट लग गया. उन्हें तुरंत सेंट्रल अस्पताल ले जाया गया लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया महत्वपूर्ण बात यह है कि क्या उन्हें बिजली आपूर्ति चालू करने से या आकाशीय बिजली से मौत हुई है यह जांच का विषय है।

अंबरनाथ नपा ठेकेदार को डालेगी काली सूची में!

- जारी किया नोटिस

अंबरनाथ. अंबरनाथ के गोविंद तीर्थ पुल लोकनगरी के पास वालधुनी उप नदी के तल में अवैध निर्माण चल रहा था. वर्तमान लोकनगरी नाले की चौड़ाई को कम करके निर्माण कार्य कराया जा रहा है. इसके लिए संबंधित ठेकेदार को बार-बार अंबरनाथ नगर परिषद ने मौखिक निर्देश दिए कि नाले के रिटेनिंग वॉल का निर्माण कार्य तत्काल रोका जाए. इसके बावजूद ठेकेदार ने अवैध काम को जारी रखा. नपा ने पत्र क्र. 2 और 3 के तहत रिटेनिंग वॉल का निर्माण तत्काल रोकने का लिखित आदेश भी दिया गया. फिर भी ठेकेदार ने काम को जारी रखा. जबकि ये एक गंभीर मामला है. अंबरनाथ नपा के सिटी इंजीनियर संजय कुंभार ने ठेकेदार को पत्र दिया है कि नोटिस प्राप्त होते ही तत्काल कार्य बंद कर दें अन्यथा उक्त कार्य को बंद करके काली सूची में डालने हेते आवश्यक कार्रवाई की जाएगी. ऐसा पत्र नपा द्वारा दिया गया है.

कैम्प-5 की 39 दुकानों पर चला बुलडोजर

- सड़क चौड़ीकरण में बाधक दुकानों पर मनपा की कार्रवाई
- क्या दुकानदारों को पर्याय जगह मिलेगी?
- दुकानदारों में भारी नाराजगी

उल्हासनगर. उल्हासनगर-5 नेताजी चौक से लाल चक्की के बीच सड़क चौड़ीकरण में बाधक बनी 39 दुकानों पर बुधवार को मनपा अतिक्रमण विभाग ने बुलडोजर चलाकर तोड़ दिया. मनपा की इस तोड़क कार्रवाई से अब सड़क चौड़ीकरण के काम में तेजी आएगी. लेकिन क्या दुकानदारों को पर्याय जगह मुहैया कराई जाएगी यह प्रश्न बना हुआ है क्योंकि दुकानदारों में इस बड़ी कार्रवाई से भारी नाराजगी देखी गई है। मनपा अधिकारी ने बताया कि सड़क में प्रभावित निर्माण को बाकायदा नोटिस जारी किया गया था परन्तु नोटिस जारी करने के बाद भी मार्ग में बाधक निर्माण न हटाए जाने पर मनपा के तोड़ दस्ते ने बुधवार को पुलिस व्यवस्था के बीच बुलडोजर चलाया। आयुक्त अजीज शेख के आदेश पर सहायक आयुक्त गणेश शिम्पी एवं सहायक आयुक्त दत्तात्रेय जाधव के मार्गदर्शन में कुल 39 प्रभावित दुकानों को हटा दिया है. उक्त सड़क पर निर्माण हटाए जाने से इस महत्वपूर्ण सड़क के चौड़ीकरण की बाधा दूर हो गई है और एमएमआरडीए के माध्यम से उक्त सड़क का काम जल्द ही शुरू किया जाएगा. ऐसा मनपा ने बताया है। वहीं शहर में चल रहे अवैध निर्माणों पर मनपा क्यों नहीं कार्रवाई कर रही है जबकि शहर में बिना अनुमति के टीजी व आरसीसी बिंदास चल रहे हैं। क्या अवैध निर्माणों पर भी कार्रवाई होगी?

अंबरनाथ में 10 अवैध होर्डिंग्स के खिलाफ कार्रवाई

- होर्डिंग्स हटाने की प्रक्रिया फिर से शुरू

अंबरनाथ. घाटकोपर होर्डिंग घटना के बाद नपा ने शहर में अनाधिकृत और कमजोर होर्डिंग हटाने का अभियान शुरू किया था, लेकिन बाद में कर्मचारियों के लोकसभा चुनाव कार्य में व्यस्त होने के कारण अभियान रोक दिया गया। लेकिन अब पिछले दो दिनों से तोड़फोड़ की कार्रवाई शुरू हो गई है. अंबरनाथ नगर परिषद के कर्मचारी गैस कटर की मदद से इन बोर्डों को काट रहे हैं और यह प्रक्रिया मंगलवार को भी जारी रही. अंबरनाथ नपा में अवैध निर्माण उन्मूलन दल के प्रभारी संदीप कांबले के अनुसार, हाल ही में शहर में लगे होर्डिंग्स का सर्वेक्षण किया गया था, जिसमें से 24 होर्डिंग्स नियमों के खिलाफ पाए गए। सोमवार से फिर से तोड़ू अभियान शुरू किया गया है.

घाटकोपर में अचानक आए तूफान में एक पेट्रोल पंप के पास बड़ा होर्डिंग गिरने से 16 नागरिकों की जान चली गई. इसके बाद नगर पालिकाओं ने मुंबई और ठाणे जिलों में अनधिकृत होर्डिंग्स के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है.

शहर में होर्डिंग्स की संख्या को देखते हुए अंबरनाथ नगर पालिका ने अनाधिकृत होर्डिंग्स की सूची तैयार कर अवैध होर्डिंग्स के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है. लेकिन लोकसभा चुनाव की मुश्किलों और उसके बाद के फैसलों के चलते अवैध होर्डिंग्स के खिलाफ कार्रवाई धीमी रही.

अनाधिकृत होर्डिंग्स पर गैस कटर से कार्रवाई

मनपा के अतिक्रमण एवं संपत्ति विभाग ने 24 अनाधिकृत होर्डिंग्स में से 10 के खिलाफ गैस कटर से कार्रवाई की है. मुख्याधिकारी डॉ. प्रशांत रसाल के आदेशानुसार अतिक्रमण विभाग के प्रमुख संदीप कांबले, संपत्ति विभाग के प्रभारी सचिन गायकवाड़ ने हाइड्रा और संबंधित उपकरणों का उपयोग करके अनधिकृत और खतरनाक होर्डिंग्स को हटाने की प्रक्रिया शुरू की है. संदीप कांबले ने कहा है कि अगले हफ्ते के भीतर बाकी सभी अनाधिकृत होर्डिंग्स हटा दिए जाएंगे.

धोकादायक इमारतवासियों की सहायता करे मनपा -गंगोत्री

उल्हासनगर. हर वर्ष मानसून आते ही उल्हासनगर मनपा धोकादायक इमारत निवासियों को नोटीस देकर उन्हें बेघर कर देती है ऐसे बेघर निवासियों को सुरक्षित जगह पर स्थानांतरित करने के लिए प्रशासन को वित्तीय सहायता देने की मांग राकांपा जिलाध्यक्ष भारत राजवानी (गंगोत्री) ने मनपा आयुक्त अजिज शेख से की है। ज्ञात हो कि महानगरपालिका अधिनियम की धारा 264 (3) और 265 ए (6) में प्रावधान है कि धोखादायक इमारत वासी अगर मरम्मत कार्य में चूक करता है तो प्रावधान है कि प्रशासन काम पूरा करके उनसे लागत वसूल करता है। प्रशासन नागरिकों के जीवन की परवाह करने से हाथ नहीं उठा सकता है। इसमें मरम्मत पर की गई लागत बाद में वसूलने का प्रावधान है, जिसका अर्थ ये है कि कानून की प्राथमिकता नागरिकों का जीवन बचाना है। अगर किसी धोखादायक इमारत में आकस्मिक दुर्घटना होती है तो मनपा प्रशासन एवं राज्य सरकार मृतक व घायल को आर्थिक सहायता प्रदान करती है। हालांकि किसी की मृत्यु होती है या कोई जख्मी हो जाता है, तो इसका बुरा असर संबंधित परिवारों पर पड़ता है. इसलिए अगर दुर्घटना पूर्व उपायों पर खर्च किया जाए तो नागरिकों को जान के खतरे से बचाया जा सकता है। धोखादायक इमारतों में रहने वाले परिवार अपनी जान जोखिम में नहीं डालना चाहते। लेकिन कई लोगों को आर्थिक परेशानियां होती हैं। अगर उन्हें प्रशासन सहायता करेगा तो ऐसी दुर्घटनाएं टाली जा सकती है। श्री गंगोत्री ने आयुक्त से मांग की है कि जून से अक्टूबर तक 5 माह के लिए नागरिकों को कम से कम प्रतिमाह 8000 का मकान किराया दिया जा सकता है या नहीं इस पर विचार विमर्श कर निर्णय लिया जाए और इसे तत्काल लागू किया जाए।

लादी नाका के पास से आटो रिक्शा चोरी

अंबरनाथ. लादी नाका, अंबरनाथ के पास रिक्शा चालक अपना रिक्शा सड़क किनारे खड़ा कर नाश्ता करने गया. इतनी ही देर में रिक्शा वहां से चोरी हो गया. रिक्शा की कीमत 20 हजार रुपए है. पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सलीम लालमोहम्मद शेख (47) रिक्शा चालक है और मोरिवली गांव में रहता है. सलीम 10 जून की दोपहर में 12.30 बजे के करीब लादी नाका, नीलकमल हार्डवेयर के पास नाश्ता करने के लिए गया. उसने अपना आटो रिक्शा कल्याण-बदलापुर रोड के किनारे लॉक करके खड़ा कर दिया. इसी बीच किसी ने उसका आटो रिक्शा चोरी कर लिया, जिसका नंबर एमएच 05 डीएल 2094 है और कीमत 20 हजार रुपए है. अंबरनाथ पुलिस ने चोरी का मामला दर्ज किया है.

कोंकण विभाग स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव

13 उम्मीदवार बचे मैदान में

- 12 उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र वापस लिया

नवी मुंबई. भारत निर्वाचन आयोग द्वारा घोषित कोंकण डिवीजन ग्रेजुएट निर्वाचन क्षेत्र के द्विवार्षिक चुनाव के लिए 7 जून 2024 तक स्वीकार किए गए कुल 25 आवेदन नामांकन पत्रों की जांच के बाद, 12 आवेदन नामांकन वापस ले लिए गए हैं और 13 उम्मीदवार प्रतिस्पर्धा में बचे हैं। यह जानकारी भारत निर्वाचन आयोग ने दी है.

भारत निर्वाचन आयोग की अधिसूचना के अनुसार, महाराष्ट्र विधान परिषद के लिए कोंकण डिवीजन ग्रेजुएट निर्वाचन क्षेत्र के वार्षिक चुनाव के लिए आवेदनों की जांच के बाद उम्मीदवारी आवेदन वापस लेने की समय सीमा बुधवार, 12 जून को समाप्त हो गई है. नामांकन पत्र दाखिल करने की अवधि के दौरान कुल 25 उम्मीदवारों के नामांकन जांच के दौरान वैध और स्वीकार किए गए।

कोंकण डिवीजन स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से 1) आंग घोंसल्विस जिमी मैतेस, 2) नीलिमा निरंजन डावखरे, 3) केदार शिवकुमार काले 4) संजय भाऊराव मोरे, 5) अस्मा जावेद चिखलेकर, 6) डॉ. प्रकाश पदुरंग भांगरथ, 7) अंकिता कुलदीप वर्तक, 8) अमित जयसिंग सरिया, 9) किशोर ओटरमल जैन, 10) डॉ. भगवान सिंह राजपूत, 11) प्रो. राजेश संभाजी सोनवणे, 12) अमोल रतन गौतम जगताप समेत कुल 12 उम्मीदवारों ने अपनी उम्मीदवारी वापस ले ली है.

अब चुनाव मैदान में 13 उम्मीदवार हैं, जो इस प्रकार हैं 1) कीर रमेश श्रीधर, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, 2) निरंजन वसंत डावखरे, भारतीय जनता पार्टी 3) विश्वजीत तुलसीराम खंडारे, भीमसेना, 4) अमोल अनंत पवार, निर्दलीय, 5) अरुण भीकन भोई (प्रिंसिपल), निर्दलीय, 6) अक्षय महेश त्रेम्हा, निर्दलीय 7) गोकुल रामजी पाटिल, निर्दलीय 8) जयपाल परशुराम पाटिल, निर्दलीय 9) नागेश किसनराव निमकर, निर्दलीय 10) प्रकाश वड्डेपेल्ली, निर्दलीय 11) मिलिंद सीताराम पाटिल, निर्दलीय 12) वकील। शैलेश अशोक वाघमारे, निर्दलीय 13) श्रीकांत सिद्धेश्वर कामूर्ति, निर्दलीय।

कोंकण डिविजन ग्रेजुएट कांस्टीट्यूएंसी चुनाव के लिए मतदान बुधवार 26 जून को सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक होगा। यह जानकारी सहायक चुनाव निर्णय अधिकारी और कोंकण विभाग के उपायुक्त (सामान्य) अमोल यादव ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी है.

रिंग रोड पर खड़ी हो गई है सात मंजिला इमारत

- अधिकारियों द्वारा जानबूझकर शिकायतों की अनदेखी

उल्हासनगर. उल्हासनगर शहर में तत्कालीन नगर रचनाकार प्रकाश मुले ने 80 फीट रोड पर झलक रेजीडेंसी नामक भवन निर्माण की अनुमति दी थी. जिसके बाद मुले को उल्हासनगर मनपा ने बर्खास्त कर दिया है. वहीं, अब मामला सामने आया है कि मुले ने कैंप-2 से गुजरने वाली 120 फीट चौड़ी रिंग रोड पर सात मंजिला इमारत बनाने की इजाजत दे दी है. दिलचस्प बात यह है कि पिछले छह महीने से मनपा प्रशासन ने शिकायतकर्ता की शिकायत के बावजूद इस इमारत का निर्माण नहीं रोका है, यहां सात मंजिला टॉवर खड़ा है।

उल्हासनगर कैंप ए में यह रिंग रोड कुछ जगहों पर मौजूदा 40 फीट रोड पर बनाई गई है। यह रिंग रोड उल्हासनगर कैंप-2 के बैरक नंबर 586, ओटी सेक्शन के कमरा नंबर 10, 11 और 12 के सामने से गुजरती है। उक्त संपत्ति विशाल लालचंदानी और मीना लालचंदानी के नाम पर है। उन्होंने 31 मार्च 2023 को उल्हासनगर मनपा के टाउन प्लानिंग विभाग से बिल्डिंग परमिट नंबर 21 प्राप्त किया। उसी क्षेत्र में रहने वाले हरपाल रामसिंघानी ने तत्कालीन नगर रचनाकार प्रकाश मुले के ध्यान में लाया कि रिंग रोड प्रभावित भूखंड पर निर्माण की अनुमति गलत तरीके से दी गई है। इसके बावजूद महानगर पालिका द्वारा शिकायतकर्ता की शिकायत को नजरअंदाज कर रिंग रोड क्षेत्र में बिल्डिंग खड़ी कर दी गई है।

विवादित भूखंड से 12 मीटर तक रिंग रोड प्रभावित

दिलचस्प बात यह है कि जिस प्लॉट पर निर्माण की इजाजत दी गई है, उसके सामने मौजूदा सड़क सिर्फ नौ मीटर है। चूंकि रिंग रोड की माप 36 मीटर है, इसलिए दोनों तरफ 12 से 13 मीटर तक संपत्तियां प्रभावित होती हैं। निर्माणाधीन विवादित भूखंड की लंबाई करीब 27 मीटर है. चूंकि रिंग रोड करीब 12 मीटर तक बाधित है और उसके बाद साढ़े चार मीटर का मार्जिन छोड़ना पड़ता है, इसलिए इस भवन के निर्माण के लिए सिर्फ दस मीटर जमीन ही उपलब्ध है. इसकी जानकारी होने पर शहरी योजनाकार मुले ने यह दर्शाकर निर्माण की अनुमति दे दी है कि विकास पथ का केवल छह मीटर हिस्सा प्रभावित है।

अंबरनाथ में पानी के लिए हाहाकार

- मजीप्रा निष्क्रिय
- शिवसेना का 18 जून को 'मरो या हंडा भरो' मोर्चा
- शहरवासियों की सहनशीलता का अंत

अंबरनाथ. अंबरनाथ शहर में पानी के लिए हाहाकार मचा हुआ है. कुछ परिसर में 3 से लेकर 10 दिनों तक लोगों को पानी नहीं मिल रहा है. अंबरनाथ महाराष्ट्र जीवन प्राधिकरण एकदम निष्क्रिय हो गया है. अब शहरवासियों की सहनशीलता का अंत हो गया है. अगर चार दिन के भीतर शहरवासियों को नियमित पानी मजीप्रा ने नहीं दिया तो 18 जून को 'मरो या हंडा भरो' मोर्चा मजीप्रा कार्यालय पर निकाला जाएगा. जिसमें हजारों की संख्या में लोग शामिल होंगे. ऐसा निवेदन अंबरनाथ शिवसेना प्रमुख अरविंद वालेकर ने मजीप्रा के कार्यकारी अभियंता को दिया है. निवेदन में लिखा है कि शहर के कई परिसर में पानी की भीषण समस्या है. लोग परेशान हैं. उनकी सहनशीलता का अंत हो गया है. शिवसेना द्वारा मजीप्रा को कई बार पत्र देने के बाद भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है. इस मामले में मजीप्रा ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया है. पानी समस्या को हल करने में मजीप्रा अपयश रहा है. इसके बावजूद लोगों को पानी का ज्यादा बिल भी दिया जा रहा है. शहर पूर्व में कामकर वाड़ी, पाटिल कालोनी, वृंदावन बिल्डिंग परिसर, बालाजी नगर, भास्कर नगर, बुवा पाड़ा, भवानी चौक, खुंटवली वुलन चाल, घाडगे नगर, मेठल नगर, भेंडी पाड़ा में पानी की भीषण समस्या है. कुछ परिसर में 10-10 दिन तक लोगों को पानी नहीं मिल रहा है. अगर चार दिनों के भीतर मजीप्रा के अधिकारियों ने पानी की समस्या को हल नहीं किया तो 'मरो या हंडा भरो' हंडा मोर्चा 18 जून को मजीप्रा कार्यालय पर निकाला जाएगा. ऐसा गंभीर इशारा अरविंद वालेकर ने मजीप्रा को दिया है.

जीवन में हजारों लड़ाइयां जीतने से बेहतर स्वयं पर विजय प्राप्त कर लो। फिर जीत हमेशा तुम्हारी होगी, जिसे तुमसे कोई नहीं छिप सकता। – महात्मा गौतम बुद्ध

उल्हास विकास संपादकीय

दो बार दाखिले का नियम

विद्यार्थियों की सुविधा का ध्यान रखते हुए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने वर्ष में दो बार दाखिले की प्रक्रिया शुरू करने का नियम बना दिया है। इस तरह जो विद्यार्थी बोर्ड नतीजे देर से आने या किन्हीं स्वास्थ्य कारणों से प्रवेश प्रक्रिया में हिस्सा लेने से वंचित रह जाते हैं और उन्हें पूरे एक वर्ष तक इंतजार करना पड़ता है, उन्हें इस नियम से काफी सहूलियत हो जाएगी। यूजीसी ने सभी विश्वविद्यालयों और शैक्षणिक संस्थानों से कहा है कि वे जुलाई-अगस्त के अलावा जनवरी-फरवरी में भी प्रवेश प्रक्रिया शुरू करें। हालांकि यह नियम शैक्षणिक संस्थाओं के लिए बाध्य नहीं है। पर निस्संदेह इस नए नियम से बहुत सारे विद्यार्थियों को लाभ मिल सकता है। नतीजे देर से आने की वजह से बहुत सारे विद्यार्थी शैक्षणिक संस्थानों में नियमित दाखिला नहीं ले पाते और मजबूरी में उन्हें पत्राचार आदि पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेना पड़ता है। मगर यह नियम कितने शैक्षणिक संस्थानों के लिए व्यावहारिक होगा, देखने की बात है।

दरअसल, अधिकतर विश्वविद्यालयों और उच्च शैक्षणिक संस्थानों का सत्र जुलाई-अगस्त से ही शुरू हो जाता है। उनमें से बहुत सारे संस्थानों में सेमेस्टर प्रणाली लागू है। उसी के मुताबिक पाठ्यक्रमों और परीक्षाओं का निर्धारण किया जाता है। इसलिए लगभग हर संस्थान की कोशिश होती है कि वह जुलाई-अगस्त में ही अपनी निर्धारित सीटों पर दाखिला ले ले। ऐसे में जनवरी-फरवरी में सीटें बची रहने की संभावना बहुत कम रहेगी। उन्हीं संस्थानों में सीटें खाली रह सकती हैं, जिनमें कुछ विद्यार्थी दाखिले के बाद संस्थान छोड़ कर चले गए हों।

फिर, जनवरी-फरवरी में दाखिला देने के बाद संस्थानों के सामने अड़चन यह आएगी कि नए विद्यार्थियों को पिछले पांच-छह महीनों में पढ़ाए गए पाठ्यक्रम कैसे पढ़ाएं। पहले सेमेस्टर की उनकी परीक्षा कैसे लें। फिर, दाखिले की प्रक्रिया को सुविधाजनक बना देने भर से विद्यार्थियों को कितना लाभ मिलेगा, कहना मुश्किल है, क्योंकि सरकारी संस्थानों में विद्यार्थियों की बढ़ती संख्या के मुताबिक पर्याप्त सीटें नहीं हैं। जब तक सीटें नहीं बढ़ेंगी, नए संस्थान नहीं खुलेंगे, तब तक सामान्य आय वर्ग के विद्यार्थियों की मुश्किलें आसान नहीं होंगी। प्रवेश संबंधी नए नियमों का फायदा निजी संस्थानों को जरूर मिल सकेगा।

पर्यावरण : झीलें बचेंगी...तभी हम बचेंगे

अंतरराष्ट्रीय पत्रिका 'अर्थ फ्यूचर' के ताजा अंक में प्रकाशित शोध 'ग्लोबल लेक हेल्थ इन एंथरोंपोसेन : सोशल इंप्लीकेशन ऐंड ट्रीटमेंट स्ट्रेटजीस' में चेतावनी दी है कि जिस तरह मानव स्वास्थ्य के लिए रणनीति बनाई जाती है, ठीक उसी तरह झीलों की तंदुरुस्ती के लिए व्यापक नीति जरूरी है। इस शोध में 10 हेक्टेयर से अधिक फैलाव वाली दुनिया की 14,27,688 झीलों की सेहत का आकलन किया गया है, जिनमें भारत की 3043 जल निधियां भी हैं। यह समझना होगा कि झीलें जीवित प्रणालियां हैं, जिन्हें सांस लेने के लिए ऑक्सीजन, प्रसन्न रहने के लिए स्वच्छ पानी, अपने भीतर जीव-जंतु जीवित रखने के लिए संतुलित ऊर्जा और पोषक तत्वों की आपूर्ति की आवश्यकता होती है। इन्सान की ही तरह झीलें विभिन्न रोगों की शिकार हो रही हैं, जैसे-बुखार आना अर्थात अधिक गरम होना, परिसंचरण, श्वसन, पोषण और चयापचय संबंधी मुद्दों से लेकर संक्रमण और विषाक्तता की तरह झीलों की कई स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं।

एक बात और झीलें बारिश से जितना पानी पाती हैं, उससे दोगुना वाष्पित करती हैं। झीलों की सेहत से बेपरवाही रही, तो समूचे पर्यावरणीय तंत्र पर इसका असर पड़ेगा, जिससे झीलों पर निर्भर बड़ी आबादी के सामाजिक-आर्थिक जीवन में भूचाल आ जाएगा। भारत का हर तालाब अपने आसपास भूवैज्ञानिक इतिहास और पर्यावरणीय महत्व की एक अनूठी कहानी समेटे हुए है। भारत जैसे

देश में जहां, तालाबों के किनारे कई पर्व, मान्यताएं और धार्मिक गतिविधियां अनिवार्य मानी जाती हैं, उनका अस्तित्व ही झील की सेहत पर निर्भर है। झील-तालाब बीमार हो, तो इलाके का कार्बन और ताप अवशोषण प्रभावित होता है, जो जैव विविधता को क्षति और बाढ़-सूखे के रूप में सामने आता है। स्थानीय समाज का जलस्रोत यदि सेहतमंद न हो, तो जलजनित रोग बढ़ेंगे।

तालाब-झील में ऑक्सीजन की मात्रा कम होना भी खतरनाक है। यह अन्य जलचरों और वनस्पति के लिए जानलेवा है। जलकुंभी या फिर पानी में अधिक मात्रा में दूषित अवशिष्ट का मिलना, गंदे पानी का निस्तार ऑक्सीजन कम होने के मूल कारक हैं। इससे पानी की क्षारीयता भी बढ़ती है, जो किसी तालाब के गंभीर रूप से बीमार होने का लक्षण है। इन्सान के स्वस्थ शरीर की ही तरह झीलों को भी पर्याप्त ऑक्सीजन और अति क्षारीयता से मुक्ति चाहिए होती है। एक बात और, यदि दरिया का पानी हृष्ट-पुष्ट न हो, तो उससे उगने वाले उत्पाद में भी पौष्टिकता में कमी होती है। जलवायु परिवर्तन और वैश्विक तापमान में वृद्धि झीलों की सेहत को बुरी तरह प्रभावित कर रही है। गंभीर जल दोहन और बरसात की अनियमितता के कारण कई झीलों में जलस्तर तेजी से नीचे गिरा, जबकि दूसरी तरफ पेयजल, सिंचाई और मछली पालन आदि में पानी की खपत बढ़ी है। इससे झीलों का पोषण-संतुलन तब गड़बड़ा जाता है, जब उसमें पोषक तत्वों की सांद्रता या तो अधिक हो जाए या फिर बहुत कम हो जाए। इस तरह झील का पारिस्थितिकी तंत्र असंतुलित हो जाता है।

पोषक तत्वों की अचानक अधिकता होने से जल निधियों की ऊपरी सतह पर हरे रंग की परत जमने से हम सभी पहले से वाकिफ हैं। इसे वैज्ञानिक भाषा में 'यूट्रोफिकेशन' कहते हैं। वास्तव में हरापन एक तरह के बैक्टीरिया के कारण होता है, जिसे सूक्ष्म या फिलामेंट्स शैवाल कहा जाता है। गंदे पानी सीवरेज, कारखानों से निकलकर अपशिष्ट जल और खेतों से बहकर आए खाद-उर्वरक के अपवाह से इस तरह का विकार जल्दी वृद्धि करता है। इसके कारण पानी में ऑक्सीजन की मात्रा भी कम हो जाती है। समझना होगा कि इस तरह के शैवाल का कुप्रभाव महज जल निधि तक सीमित नहीं रहता, यह सीधे तौर पर मानव स्वास्थ्य के लिए खतरा हो सकता है, क्योंकि कुछ साइनोबैक्टीरियल से विषाक्त पदार्थों का उत्पादन होता है, जो श्वसन, गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल और त्वचा संबंधी समस्याएं पैदा कर देता है। इस अंतरराष्ट्रीय शोध में बताया गया है कि इस तरह से बीमार हुई झील के न्यूरोटॉक्सिसिटी प्रभाव होते हैं, जिससे सेलुलर और जीनोमिक क्षति, प्रोटीन संश्लेषण अवरोध और मनुष्यों और वन्यजीवों में संभावित कार्सिनोजेनेसिस होता है।

जहाँ भी जाइए, वहाँ एकता की खुश्बू फैलाइए।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

मणिपुर में उपद्रवियों के हौसले बढ़े

जएक वर्ष से अधिक समय बीत गया, मगर अभी तक मणिपुर में खूनी संघर्ष समाप्त नहीं हो पाया है। शुरू से ही वहां शांति बहाली के प्रयास शिथिल नजर आते हैं। प्रशासन और सुरक्षाबलों ने इच्छाशक्ति दिखाई होती, तो बहुत पहले इस समस्या का समाधान निकल गया होता। मगर उनकी भूमिका संदिग्ध बनी हुई है। इसी का नतीजा है कि सोमवार को उपद्रवियों ने घात लगा कर मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के काफिले पर हमला कर दिया। गनीमत है कि उसमें सिर्फ एक सिपाही घायल हुआ, कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ। इससे वहां के उपद्रवियों के हौसले का अंदाजा लगाया जा सकता है। अब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने मणिपुर की स्थिति पर चिंता जाहिर करते हुए कहा है कि इतने लंबे समय से वहां अशांति का वातावरण है, मगर उसे हल करने की कोशिश नहीं की गई। इसे प्रथमिकता में रखते हुए शांति बहाली का प्रयास किया जाना चाहिए। पिछले दस वर्षों से वहां शांति का वातावरण था। हालांकि भागवत ने भी इस मामले में बयान देने में काफी वक्त लगा दिया। इसे लेकर विपक्षी दल लगातार सवाल उठाते रहे हैं। संसद में भी प्रश्न पूछे गए, मगर कोई संतोषजनक उत्तर नहीं मिल सका। अभी तक पूछा जाता है कि मणिपुर पर प्रधानमंत्री क्यों खामोश हैं।

मणिपुर में कुकी और मैतेई समुदाय के बीच संघर्ष, एक भ्रमपूर्ण बयान की वजह से भड़क उठा था। हालांकि अब वहां की अदालत खुद इस संभावना को खारिज कर चुकी है कि मैतेई समुदाय के लोगों को जनजातीय समुदाय का दर्जा दिया जाना चाहिए। मगर न तो राज्य और न केंद्र सरकार मणिपुर के खूनी संघर्ष को रोक पाई है। शुरू में

जरूर केंद्रीय गृहमंत्री वहां गए थे, मगर फिर कोई उल्लेखनीय कार्रवाई नहीं हो सकी।

बाद में सर्वोच्च न्यायालय ने मामले का संज्ञान लेते हुए जांच और कार्रवाई के लिए समितियां गठित कर दी, मगर उसका भी कोई नतीजा नजर नहीं आ रहा। पिछले वर्ष मई में शुरू हुए इस संघर्ष में अब तक सवा दो सौ से अधिक लोगों के मारे जाने, चार सौ से अधिक लोगों के घायल होने, हजारों घरों के जलाए जाने और साठ हजार से अधिक लोगों के विस्थापित होकर राहत शिविरों में शरण लेने के तथ्य उजागर हैं। सरकारों को अब यह बहाना जरूर मिल गया है कि मणिपुर के संघर्ष को रोकने की कार्रवाई सर्वोच्च अदालत की निगरानी में चल रही है, इसलिए वे इसमें बहुत हस्तक्षेप नहीं कर सकतीं। मगर यह उनका अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेने का एक और तरीका है।

यह समझना मुश्किल है कि कैसे कोई भी कल्याणकारी सरकार अपने नागरिकों को इस तरह मारकाट करते देखती रह सकती है। राज्य सरकार तो इस मामले में शुरू से नाकाम साबित हुई है, मगर केंद्र सरकार ने इस पर अपेक्षित गंभीरता क्यों नहीं दिखाई, समझ से परे है। जिस तरह वहां महिलाओं को निर्वस्त्र करके घुमाया गया, उनके साथ सामूहिक बलात्कार किया गया, उससे पूरी दुनिया में देश की छवि खराब हुई। मणिपुर के लोगों का सरकार और प्रशासन पर से भरोसा उठ चुका है। गांव वाले खुद सुरक्षा दल बना कर पहरेदारी करते और उपद्रवियों से बचने की कोशिश करते हैं। यानी वहां के लोगों को एक तरह से उनके हाल पर छोड़ दिया गया है। संघ प्रमुख की मणिपुर को लेकर प्रकट की गई चिंता को केंद्र सरकार कितनी गंभीरता से लेती है, देखने की बात है।

खौलते हुए तेल में हाथ डालकर निकालता है मंगौड़े

जबलपुर के 'देवा मंगौड़े' का नाम मुंह से निकल जाए तो मुंह में पानी आ जाता है. यह नाम जितना जबलपुर में

जरा हट के

फेमस है, उतना ही मध्यप्रदेश में भी. लेकिन आपको यह सुनकर जरूर हैरानी होगी कि गर्म खौलते हुए तेल से आखिर मंगौड़े कैसे निकाले जाते हैं, जवाब होगा कल्चुरी से. लेकिन नहीं जबलपुर का यह शख्स कलचुरी से नहीं. खौलते तेल में हाथ डालकर मंगौड़े निकाल लेता है.

जबलपुर में देवा मंगौड़े की दुकान 105 साल पुरानी है, लेकिन स्वाद आज भी वही है जो 105 साल पहले हुआ करता था. यह दुकान चौथी पीढ़ी के अतुल जैन संभाल रहे हैं. इसके पहले यह दुकान 1918 में स्व. कंछेदी जैन ने शुरू की थी. उस समय 10 पैसे में 50 ग्राम मंगौड़े मिला करते थे. स्व. कंछेदी जैन के बाद दालचंद जैन और फिर देवेंद्र

कुमार जैन ने दुकान चलाई. अब चौथी पीढ़ी अतुल जैन ने इस दुकान की कमान संभाली हुई है. अतुल जैन ने बताया कि यह परंपरा शुरू से चली आ रही है. जहां दुकान में मंगौड़े तलने के पहले पूजन अर्चन के लिए यह विधि अपनाई जाती है और खोलते हुए तेल में हाथ को डाला जाता है. उन्होंने यह हुनर अपने पिता से सीखा है. अतुल बताते हैं कि मंगौड़े से राजनीति भी जुड़ी हुई है जब भी कोई मंत्री जबलपुर में आता है तब मंगोड़े का लुत्फ उठाने दुकान में जरूर आता है. हालांकि केंद्रीय मंत्री रहे शरद यादव से लेकर कई मंत्री दुकान में आ चुके हैं.

अतुल जैन बताते हैं कि मंगौड़े को बिना प्याज और लहसुन के तैयार किया जाता है. अतुल की चाची सिलबट्टे से 5 घंटे में मसाला और दाल पीसकर तैयार करती हैं. मंगौड़े का मसाला और चटनी बनाने में करीब 5 घंटे लगते हैं, सुबह 8 बजे से लेकर दोपहर 1 तक मसाला तैयार किया जाता है. वहीं मंगौड़े का मसाला तैयार होने के बाद दुकान में ले जाया जाता है. जहां गर्मा-गर्म मंगौड़े निकाले जाते हैं. वहीं चटनी भी काफी पसंद की जाती है. खट्टी-मीठी और टमाटर की चटनी मंगौड़े के साथ दी जाती है.

दही कबाब

गर्मियों में अगर कबाब खाने का मन कर रहा है, तो आप दही कबाब ट्राई कर सकते हैं। यह खाने में बेहद स्वादिष्ट होता है और हेल्दी भी होता है। इसलिए इसे खाने से सेहत को काफी फायदा मिलता है। दही से बने होने की वजह से इससे पेट को भी गर्मी से राहत मिलती है। आइए जानें दही कबाब बनाने की रेसिपी।

सामग्री :

- 300 ग्राम दही
- 50 ग्राम बेसन
- 100 ग्राम कसा हुआ पनीर
- 2 ग्राम सफेद मिर्च पाउडर
- 10 ग्राम मुरब्बा
- 10 ग्राम गरम मसाला पाउडर
- 5 ग्राम पिसी हुई हरी इलायची
- आवश्यकतानुसार घी
- नमक आवश्यकतानुसार

विधि :

एक कटोरे में दही लें, उसमें बेसन, गरम मसाला, सफेद मिर्च पाउडर, इलायची पाउडर, मुरब्बा और नमक डालें और उन्हें अच्छे से मिला लें।

अब मिश्रण को बराबर भागों में बांट लें। अब हर हिस्से में पनीर भरें। अपने हाथों को पानी से गीला कर लीजिए, एक हिस्सा उठाइए और हल्के हाथ से कबाब के आकार में (एक सेंटीमीटर मोटा गोल) बेल लीजिए। इसी तरह बाकी कबाब भी तैयार कर लीजिए। एक पैन में थोड़ा घी डालें और गर्म होने दें। इसमें कबाब डालें और कुछ देर तक पैन में कबाब भून लें। दोनों तरफ से सुनहरा होने तक पकाएं। गरम-गरम कबाब को पुदीने की चटनी या सॉस के साथ परोसें।

आज का राशिफल

मेष : पुराना रोग उभर सकता है। योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन संभव है। विरोधी सक्रिय रहेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। मित्रों की सहायता कर पाएंगे। आय में वृद्धि होगी। शेयर मार्केट से लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी।

वृषभ : व्यवसाय में ध्यान देना पड़ेगा। व्यर्थ समय न गंवाएं। पूजा-पाठ में मन लगेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। जल्दबाजी से हानि संभव है। थकान रहेगी। कुसंगति से बचें। निवेश शुभ रहेगा। पारिवारिक सहयोग प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

मिथुन : घर-परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि हो सकती है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। फालतू खर्च होगा। विवाद को बढ़ावा न दें। अपेक्षाकृत कार्यों में विलंब होगा। तनाव रहेंगे।

कर्क : कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति निर्मित होगी। प्रेम-प्रसंग में जोखिम न लें। व्यापार में लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। निवेश में सोच-समझकर हाथ डालें। शत्रु पस्त होंगे। विवाद में न पड़ें। अपेक्षाकृत कार्य समय पर होंगे। प्रसन्नता रहेगी।

सिंह : बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी। स्थायी संपत्ति से बड़ा लाभ हो सकता है। समय पर कर्ज चुका पाएंगे। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न तथा संतुष्ट रहेंगे। निवेश शुभ फल देगा। स्वास्थ्य की चिंता रहेगी।

कन्या : पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। समय की अनुकूलता का लाभ मिलेगा। व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य कमजोर रह सकता है।

तुला : दूर से बुरी खबर मिल सकती है। दौड़धूप अधिक होगी। बेवजह तनाव रहेगा। किसी व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है। फालतू बातों पर ध्यान न दें। मेहनत अधिक व लाभ कम होगा। किसी व्यक्ति के उकसाने में न आएं। शत्रुओं की पराजय होगी।

वृश्चिक : कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। चिंता बनी रहेगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। मेहनत का फल मिलेगा। कार्यसिद्धि होगी। निवेश लाभदायक रहेगा। व्यापार-व्यवसाय में मनोनुकूल लाभ होगा।

धनु : उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। विरोधी सक्रिय रहेंगे। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें। बड़ा काम करने का मन बनेगा। झंझटों से दूर रहें। कानूनी अड़चन का सामना करना पड़ सकता है। व्यापार मनोनुकूल लाभ देगा।

मकर : नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति संभव है। यात्रा लाभदायक रहेगी। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। कारोबारी बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। निवेश में सोच-समझकर हाथ डालें। आशंका-कुशंका रहेगी। पुराना रोग उभर सकता है।

कुंभ : फालतू खर्च पर नियंत्रण रखें। बजट बिगड़ेगा। कर्ज लेना पड़ सकता है। शारीरिक कष्ट से बाधा उत्पन्न होगी। लेन-देन में सावधानी रखें। अपरिचित व्यक्तियों पर अंधविश्वास न करें। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। आय होगी।

मीन : यात्रा लाभदायक रहेगी। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है, प्रयास करें। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। शेयर मार्केट से बड़ा लाभ हो सकता है। संचित कोष में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। कारोबारी सौदे बड़े हो सकते हैं।

–ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

खाने और सोने के बीच कितना होना चाहिए गैप?

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में खुद के लिए समय निकाल पाना बड़ी चुनौती है. लोग ठीक से भोजन करना तो दूर ठीक से सो भी नहीं ले पा रहे हैं. ऐसी व्यस्तता के चलते लोग रात में खाना खाते ही सो जाते हैं, जोकि सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकता है. इसका असर सेहत पर भी देखने को मिलता है. इसलिए एक्सपर्ट सेहतमंद रहने के लिए 7 से 9 घंटे की नींद लेने की सलाह देते हैं. लेकिन, भागदौड़ में लोग आधी ही नींद ले पा रहे हैं. इससे इंसान की आयु, काम करने का तरीका और नींद का पैटर्न प्रभावित हो रहा है. यह आदत आपकी सेहत पर बुरा असर डाल सकती है. अब सवाल है कि आखिर खाने और सोने के बीच कितना गैप होना चाहिए? इस बारे में बता रही हैं अपोलोमेडिक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल लखनऊ की सीनियर डाइटिशियन प्रीती पांडे-

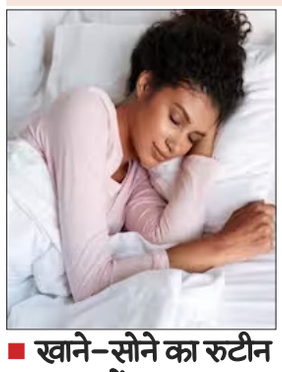

■ खाने-सोने का रुटीन तय करें

डाइटिशियन के मुताबिक, ज्यादातर लोग दिनभर काम करने के बाद रात का खाना खाते ही बिस्तर पर चले जाते हैं. यह आदत

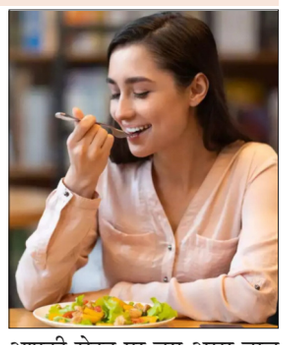

आपकी सेहत पर बुरा असर डाल सकती है. बता दें कि, खाने के तुरंत बाद सोने से पेट से जुड़ी बीमारियों का जोखिम बढ़ जाता है. इससे बचने के लिए आप खाने और सोने का उचित रुटीन बना सकते हैं.

■ खाने के तुरंत बाद सोने से इन बीमारियों का खतरा

डाइटिशियन प्रीती पांडे बताती हैं कि, खाने के तुरंत बाद सोना एक गलत आदत है. इसके शिकंजे में बड़ी संख्या में लोग हैं. बता दें कि, खाना खाने के तुरंत बाद सोने से पाचन तंत्र बिगड़ता है, जिसकी वजह से वजन बढ़ना, एसिड रिफ्लक्स और पाचन से जुड़ी परेशानियां जैसे कि सीने में जलन, गैस एसिडिटी, ब्लोटिंग की समस्या हो सकती हैं.

■ खाने-सोने के बीच सही गैप

ज्यादातर लोगों का शरीर खाना खाते ही निढाल होने लगता है. इस जम्हाई भरी नींद को रोक पाना बहुत मुश्किल होता है. इसलिए बेहतर है कि सोने से पहले ही खाने में गैप बनाएं. डाइटिशियन के मुताबिक, खाने और सोने के बीच में कम से कम 3 से 4 घंटे का गैप होना जरूरी है. इसलिए कोशिश करें कि आप अपना लास्ट मील यानी की डिनर सोने के रुटीन के हिसाब से तीन-चार घंटे पहले ले लें.

घर पर ही बनाएं गरम मसाला

गरम मसाले का हर दिन आप इस्तेमाल करते हैं, लेकिन मार्केट में मिलने वाले इस मसाले का सेवन नहीं करना चाहते हैं तो आप घर पर भी गरम मसाला बना सकते हैं. यहां हम बता रहे हैं कि आप कई मसालों को मिलाकर किस तरह खुशबूदार गरम मसाला घर पर आसानी से बना सकते हैं. इसे हर तरह की रेसिपी में इस्तेमाल कर सकते हैं. घर पर बने मसाले केमिकल-फ्री तो होते ही हैं, ये शुद्ध भी होते हैं. आइए जानते हैं इसे बनाने का सिंपल तरीका.

सामग्री

- सूखा धनिया 2 चम्मच
- जीरा एक चम्मच
- सौंफ 2 चम्मच
- लौंग 5 से 6
- काली मिर्च 5 से 6
- मोटी इलायची 2
- चकरी फूल 1
- छोटी इलायची 6 से 7
- जायफल आधा टुकड़ा
- दालचीनी 3 इंच स्टिक
- कश्मीरी ड्राई मिर्च 3
- खसखस आधा चम्मच
- काला जीरा 1 चम्मच
- सूखी हल्दी 2 इंच
- हींग आधा चम्मच
- काला नमक एक चम्मच
- जावित्री 1
- तेजपत्ता 2
- कसूरी मेथी 1 चम्मच

बनाने की विधि

सबसे पहले एक पैन लें और उसे गैस पर रखें. अब जब ये गर्म हो जाए तो इसमें सभी मसाले डालें और 7 से 8 मिनट तक धीरे धीरे भूनें. जब ये अच्छी तरह भुन जाएगी तो खुशबू आएगी. अब इस पैन से सारे मसाले निकालें और मिक्सर जार में डालें. अब इसे अच्छी तरह पीस लें. जब मसाले बारीक पिस जाएं तो इसमें एक चम्मच कसूरी मेथी डालें और फिर से पीस लें.

अब इसे आप किसी भी ऐयर टाइट जार में रखें और जब चाहें इस्तेमाल करें. अब आप किसी भी सब्जी, दाल, राजमा आदि में इस होममेड गरम मसाले का इस्तेमाल करें और जायका के साथ खुशबू भी बढ़ाएं.

कमाल की आयुर्वेदिक हर्ब है ये हड़जोड़ बेल

हड्डियां कमजोर होने से इनके टूटने या अपनी जगह से खिसकने का जोखिम बढ़ जाता है. इससे निजात पाने के लिए लोग तमाम महंगी दवाओं का सेवन करते हैं. लेकिन, क्या आप जानते हैं कि हड्डियों की इस परेशानी को दूर करने के लिए एक जड़ी-बूटी भी कारगर हो सकती है. जी हां, इस आयुर्वेदिक हर्ब का नाम है हड़जोड़.

आयुर्वेद में हड़जोड़ को 'अस्थिसंहार' के नाम से भी जाना जाता है. यह एक तरह की बेल या क्रीपर है. इसकी पत्तियां और ठंडल का सेवन औषधि के तौर पर किया जा सकता है. ये हड्डियों को गर्माहट देकर जॉइंट पेन की समस्या से निजात दिला सकती है. साथ ही, हड़जोड़ हड्डियों को जोड़ने के काम भी आ सकती है. हड़जोड़ से होने वाले लाभों और उपयोग के तरीकों को बता रही हैं राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय लखनऊ की डॉ. शची श्रीवास्तव-

इन बीमारियों में लाभकारी है हड़जोड़

डॉ. शची श्रीवास्तव के मुताबिक, हड़जोड़ हड्डियों को जोड़ने के अलावा भी कई बीमारियों से भी छुटकारा दिलाने में सक्षम हो सकती है. बता दें कि, इस औषधि को अस्थि संहार के रूप में जाना जाता है. यह हड्डी को जोड़ने, पेट की समस्या, बवासीर, ल्युकोरिया, मोच, अल्सर, श्वास रोग, गठिया का दर्द, रीड की हड्डी का दर्द, ब्लीडिंग और सूजन में काफी लाभकारी होती है.

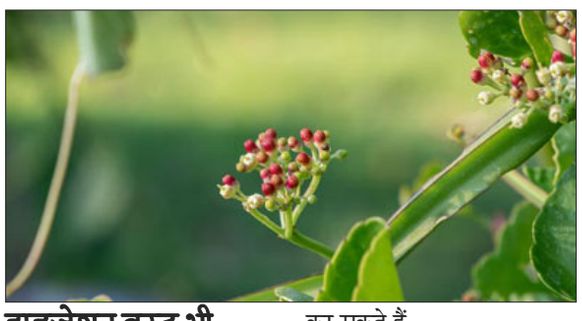

डाइजेशन बूस्ट भी करती है ये जड़ी-बूटी

ओवर इटिंग की वजह से लोगों को पेट से जुड़ी कई समस्याएं हो सकती हैं. इसमें एसिडिटी, अपच, कब्ज और पेट में गैस बनने जैसी कई समस्याएं शामिल हैं. इन सभी समस्याओं से राहत पाने के लिए आप हड़जोड़ की पत्तियों का सेवन कर सकते हैं.

हड़जोड़ का उपयोग करने का तरीका

यह औषधि काफी उपयोगी और लाभकारी है. इसका जड़, तना और पत्तियां औषधि है. किसी भी प्रकार का दर्द हो इन पत्तियों को गर्म करके सिकाई करने से ठीक हो जाते हैं. इसके प्रयोग की बात करें तो तना को पीस करके उसका लेप लगाया जा सकता है. आप चाहें तो उसके स्वरस को निकाल करके घी में मिलाकर सेवन किया जा सकता है. इसके 2 से 5 ग्राम चूर्ण को दूध के साथ लेने से 15 दिन के अंदर टूटी हड्डियां जुड़ सकती हैं.

चिकित्सकीय परामर्श जरूरी

किसी भी परेशामी में इस औषधि को लेने से पहले डॉक्टर की सलाह जरूरी है. इसलिए इसका कितना और कैसे यूज करना है इसके लिए एक्सपर्ट की सलाह जरूर लें. बता दें कि, इसके ज्यादा सेवन से दस्त, सर दर्द, नींद की समस्या और दिल की धड़कन तेज होने की समस्या होने की आशंका बढ़ सकती है.

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

घूस लेते रंगे हाथों पकड़ा गया दरोगा

बरेली. बरेली के प्रेमनगर थाने में तैनात दरोगा को 50 हजार रुपये घूस लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया। भ्रष्टाचार निवारण संगठन उपाधीक्षक यशपाल सिंह ने बुधवार को बताया कि बरेली शहर प्रेमनगर थाने में तैनात दरोगा राम अवतार के खिलाफ थाना कैंट में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराओं में एफआईआर दर्ज की गई है। यशपाल सिंह ने बताया कि किला थाने में दो महीने पहले धोखाधड़ी और जालसाजी का मुकदमा दर्ज किया गया था। इस मुकदमे में नाम निकालने को लेकर पुलिस सांठगांठ कर रही थी।

मां की डांट से आहत किशोरी ने गोमती नदी में लगाई छलांग, बचाने कूदा युवक लापता

लखनऊ. उत्तर प्रदेश के लखनऊ में एक किशोरी को अपनी मां की डांट इतना अखर गई कि इससे आहत होकर 11 साल की लड़की ने गोमती नदी में छलांग लगा दी। राहगीरों ने किशोरी को नदी में कूदते देखा तो शोर मच गया। देखते ही देखते लड़की को बचाने के लिए एक युवक ने भी पीछे से छलांग लगा दी। हालांकि कड़ी मशक्कत के बाद गोताखोरो ने किशोरी को किसी तरह बचा लिया है लेकिन उसे बचाने के लिए पीछे से कूदे युवक को अब भी नहीं खोजा जा सका है। पुलिस के अनुसार युवक की नदी में छानबीन अब भी जारी है।

सांड का हमला, किसान को पटक-पटक कर मार डाला

बरेली. बरेली में सांड के हमले में एक किसान की मौत के बाद आतंक फैल गया है। राधेश्याम नाम के इस 40 वर्षीय किसान को सांड ने पीट-पीटकर मार डाला। सांड ने किसान के सीने में नुकीले सींग घुसा दिए। इससे किसान की मौत हो गई। किसान पर सांड का हमला देख खेतों में काम कर रहे किसान वहां दौड़कर पहुंचे। उन्होंने सांड को किसी तरह से वहां से भगाया। घायल किसान को आनन-फानन में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया वहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। फिरोजपुर गांव के रहने वाले राधेश्याम बुधवार की सुबह करीब साढे नौ बजे उत्तर दिशा में बहरही गंगा नदी की ओर जा रहे थे। रास्ते में बांध के पास सामने से अचानक सांड आ गया।

बिजली चोरी पकड़ने पहुंची टीम पर हमला

बरेली. बरेली में मंगलवार सुबह बिजली चोर पकड़ने गई टीम को ग्रामीणों ने बुरी तरह पीट दिया। एसडीओ और जेई ने भाग कर जान बचाई। वहीं, मारपीट में लाइनमैन और टेक्नीशियन घायल हो गया। मामले में एसडीओ ने तीन नामजद और एक अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कराया है। उधर, ग्रामीणों ने भी लाइनमैन पर केस दर्ज करने को तहरीर दी है। ये घटना सिरौली थाना क्षेत्र के केसरपुर का है। मार्निंग रेड के तहत मंगलवार की सुबह साढ़े पांच बजे एसडीओ अनमोल कुमार के नेतृत्व में जेई हृदेश कुमार, टेक्नीशियन सचिन कुमार और लाइनमैन असलम समेत छह कर्मचारी बिजली चेकिंग को केसरपुर गांव पहुंचे थे। गांव के पप्पू और नन्हे गुप्ता के मकान पर बिजली चोरी होने के शक में टीम ने वीडियो बनानी शुरू कर दी। उस समय परिवार के सभी सदस्य सो रहे थे। लाइनमैन असलम बिजली उपकरणों की जांच के लिए घर में घुस गया। घर के सदस्यों के जाग जाने से उसकी कहासुनी हो गई। ग्रामीणों ने पूरी टीम को घेर पिटाई शुरू कर दी। लाइनमैन असलम और टेक्नीशियन सचिन कुमार को चोटें आई हैं। दोनों के माफी मांगने पर ग्रामीणों ने छोड़ दिया। इस दौरान एसडीओ और जेई किसी तरह ग्रामीणों से छूटकर खुद भाग निकले। बिजली कर्मचारियों की पिटाई का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल है। इसके बाद टीम ने थाने पहुंचकर ग्रामीणों के खिलाफ तहरीर दी है। पुलिस ने शाम में प्रेमपाल, सचिव और सुदेश शर्मा को नामजद करते हुए एक अज्ञात पर एफआईआर दर्ज की है। वहीं ग्रामीण

चंद्रबाबू नायडू चौथी बार बने आंध्र प्रदेश के CM

पवन कल्याण डिप्टी CM; TDP से 20, जनसेना से 3 और भाजपा से 1 मंत्री ने शपथ ली

कैबिनेट में नायडू के बेटे को भी जगह

अमरावती. आंध्र प्रदेश में भी NDA की सरकार बन गई है। तेलगु देशम पार्टी (TDP) सुप्रीमो चंद्रबाबू नायडू ने बुधवार को राज्य के 24वें मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली। चंद्रबाबू ने राज्य की चौथी बार कमान संभाली। इसके साथ ही उन्होंने आंध्र में सबसे ज्यादा बार मुख्यमंत्री बनने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया।

नायडू के अलावा जनसेना प्रमुख और एक्टर पवन कल्याण ने डिप्टी CM पद की शपथ ली। उन्होंने शपथ लेने के बाद नायडू के पैर छुए। तीसरे नंबर पर नायडू के बेटे नारा लोकेश ने शपथ ली। नई सरकार में CM और डिप्टी CM समेत 25 सदस्य होंगे। इसमें TDP के 20, जनसेना के 3 और भाजपा के एक मंत्री शामिल हैं। एक पद खाली रखा गया है। राज्यपाल अब्दुल नजीर ने विजयवाड़ा में केसरपल्ली IT पार्क में CM और मंत्रियों को शपथ दिलाई। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमित शाह समेत NDA के मंत्री और अन्य राज्यों के मुख्यमंत्री भी शामिल हुए। शपथ के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने नायडू को गले लगाकर बधाई दी।

नायडू के कैबिनेट में उनके बेटे और TDP महासचिव नारा लोकेश, प्रदेश अध्यक्ष के. अत्चन्नायडू और जनसेना पार्टी की राजनीतिक मामलों की समिति के अध्यक्ष नादेंडला मनोहर शामिल हैं। TDP के मंत्रियों में 17 नए चेहरे हैं। बाकी 3 पहले भी मंत्री रह चुके हैं।

जनसेना पार्टी के तीन मंत्री पवन कल्याण, नादेंडला मनोहर और कंडुला दुर्गेश हैं। सत्य कुमार यादव एकमात्र भाजपा विधायक हैं, जिन्होंने मंत्री पद की शपथ ली। मंत्रिमंडल में तीन महिलाएं हैं। सीनियर नेता एन मोहम्मद फारूक एकमात्र मुस्लिम चेहरा हैं।

मंत्रियों की लिस्ट में पिछड़ा वर्ग से 8, अनुसूचित जाति से 3 और अनुसूचित जनजाति से 1 शामिल है। नायडू ने कम्मा और कापू समुदायों से 4-4 मंत्रियों को शामिल किया है। रेड्डी समुदाय से 3 और वैश्य समुदाय से 1 को भी कैबिनेट में जगह मिली है। नायडू खुद कम्मा समुदाय से हैं। वहीं पवन कल्याण कापू समुदाय से आते हैं।

कुवैत की बिल्डिंग में आग, 41 की मौत

- मरने वालों में 10 भारतीय

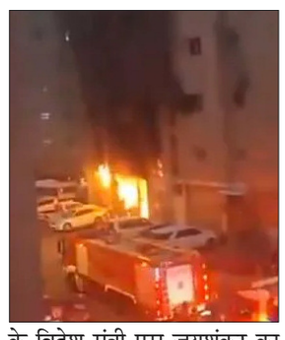

कुवैत. कुवैत के मंगाफ शहर की एक इमारत में आग लग गई। इसमें 41 लोग मारे गए हैं, जिनमें कम से कम 10 भारतीय हैं। 5 केरल के रहने वाले थे। हादसे में 50 से ज्यादा लोग जख्मी हैं, जिनमें 30 भारतीय हैं। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, कुवैत के समयानुसार ये हादसा सुबह करीब 6 बजे हुआ।

तड़के इमारत के ग्राउंड फ्लोर की किचन में लगी आग तेजी से पूरी इमारत में फैल गई। कई लोग इमारत के अंदर ही फंसे रह गए। आग लगने की वजह का अब तक पता नहीं चला है। मेजर जनरल ईद रसीद हमद ने न्यूज एजेंसी को बताया कि इस इमारत में कई सारे प्रवासी मजदूर रहते हैं।

कुवैत में हुए हादसे पर भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर का बयान भी सामने आया है। सोशल मीडिया पर पोस्ट के जरिए उन्होंने कहा, ₹कुवैत में हुए हादसे से स्तब्ध हूं। वहां करीब 40 लोगों की मौत हुई है। हम डीटेल्स सामने आने का इंतजार कर रहे हैं। जिन लोगों ने अपने परिजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी संवेदनाएं हैं।₹ भारतीय राजदूत आदर्श स्वाइका ने भी घटनास्थल पर पहुंचकर घायलों से मुलाकात की है।

भारतीय दूतावास ने हेल्पलाइन नंबर जारी किया

कुवैत में भारतीय दूतावास ने इस घटना के बाद एक हेल्पलाइन नंबर भी जारी किया है। दूतावास ने पोस्ट कर कहा- आज भारतीय कामगारों के साथ हुई दुखद दुर्घटना के संबंध में एक आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर जारी किया है। ये नंबर है- +965-65505246। संबंधित अपडेट के लिए इस हेल्पलाइन नंबर से जुड़े। दूतावास आपकी हर संभव सहायता करने के लिए प्रतिबद्ध है।

लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी अगले सेना प्रमुख

- 30 जून को पदभार संभालेंगे

नई दिल्ली. केंद्र सरकार ने मंगलवार 11 जून की रात लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी को नया आर्मी चीफ अपॉइंट किया है। वे मौजूदा सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे की जगह लेंगे। लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी 30 जून को पदभार संभालेंगे। इसी दिन मौजूदा सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे रिटायर हो रहे हैं।

लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी 30वें सेना प्रमुख के रूप में कार्यभार संभालेंगे। इससे पहले वे सेना के वाइस चीफ, नॉर्दर्न आर्मी कमांडर, DG इन्फैंट्री और सेना में कई अन्य कमांड के प्रमुख के रूप में देश की सेवा कर चुके हैं।

ओडिशा में भाजपा की पहली सरकार

- 15वें CM बने मोहन माझी
- केवी सिंहदेव, प्रभाती परिदा डिप्टी CM बने; 13 मंत्रियों ने भी शपथ ली

भुवनेश्वर. ओडिशा में पहली बार भाजपा की सरकार बन गई है। 52 साल के मोहन चरण माझी ने बुधवार को राज्य के 15वें मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली। उनके साथ दो डिप्टी CM कनक वर्धन सिंहदेव (67) और प्रभाती परिदा (57) ने भी शपथ ली।

माझी मंत्रिमंडल में 13 मंत्रियों ने भी शपथ ली। इनमें सुरेश पुजारी, रबिनारायण नाइक, नित्यानंद गोंड, कृष्ण चंद्र पात्रा, पृथ्वीराज हरिचंदन, मुकेश महालिंग, बिभूति भूषण जेना, कृष्ण चंद्र महापात्रा, गणेश राम सिंह खुंटिया, सूर्यवंशी सूरज, प्रदीप बालसामंता, गोकुला नंद मल्लिक और संपद कुमार स्वैन शामिल हैं।

शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी, जेपी नड्डा, अमित शाह के अलावा उत्तर प्रदेश, गुजरात, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, असम, हरियाणा, गोवा और उत्तराखंड के CM भी मौजूद थे।

ओडिशा को 24 साल बाद आदिवासी CM मिला

ओडिशा को 24 साल बाद आदिवासी CM मिला। इससे पहले कांग्रेस के हेमानंद बिस्वाल राज्य के पहले आदिवासी CM थे। बिस्वाल 1989-1990 और 1999-2000 तक दो बार CM रहे। राज्य के दूसरे आदिवासी CM गिरिधर गमांग थे। हालांकि उनका कार्यकाल बहुत छोटा रहा। बिस्वाल के बाद कांग्रेस यहां कभी सत्ता में नहीं रही।

NSG का हब बनेगा अयोध्या

राम मंदिर के पास होगा बेस पॉइंट, आतंकी हमले की आशंका और सुरक्षा को लेकर फैसला

अयोध्या. अयोध्या में UPSTF और ATS की यूनिट के बाद अब नेशनल सिक्योरिटी गार्ड (NSG) का हब बनेगा। NSG का यह देश में छठवां हब होगा। अभी चेन्नई, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई और अहमदाबाद में NSG के रीजनल हब हैं। अयोध्या में श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या और आतंकी हमलों की धमकी को देखते हुए यह फैसला लिया है। जल्द ही इस पर काम भी शुरू होगा। गृह मंत्रालय के सूत्रों ने बताया कि NSG का हब राम मंदिर के पास होगा। जमीन के लिए प्रक्रिया शुरू हो गई है। इसको लेकर SSP राजकरन का कहना था कि अभी कोई लिखित सूचना नहीं मिली है।

अभी SSF के हाथों में मंदिर की सुरक्षा

श्रीराम जन्मभूमि परिसर और मंदिर की सुरक्षा की जिम्मेदारी **SSF** के हाथों है। मंदिर की सुरक्षा में 200 जवान तैनात हैं। **UP** सरकार ने हाल ही में **PAC** और पुलिस के जवानों को मिलाकर **SSF** गठन किया है।

रोज डेढ़ लाख श्रद्धालु पहुंच रहे राम मंदिर

22 जनवरी 2024 को राम मंदिर में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा के बाद से हर दिन करीब डेढ़ लाख श्रद्धालु दर्शन करने आते हैं। सूत्रों के मुताबिक, मंदिर पर आतंकी हमले को लेकर अक्सर धमकियां मिलती रहती हैं। ऐसे में मंदिर की सुरक्षा को देखते हुए सरकार यह कदम उठाने जा रही है।

मंदिर को दो बार बम से उड़ाने की मिल चुकी धमकी

14 दिन पहले राम मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी भी मिली थी। पहले एक आईडी से इंस्टाग्राम पर पोस्ट की गई। फिर 112 पर कॉल आई। राम मंदिर को उड़ाने की धमकी मिलते ही पुलिस में हड़कंप मच गया। साइबर एक्सपर्ट और सर्विलांस टीम को तुरंत एक्टिव किया। दहशत न फैले इसलिए पुलिस ने अंदरखाने जांच की। जांच में लोकेशन कुशीनगर की निकली। पुलिस ने धमकी देने वाले पटहेरवा थाना के बलुआ तकिया क्षेत्र के रहने वाले एक 16 साल को हिरासत में लेकर पूछताछ की। शुरुआती जांच में पता चला कि नाबालिग मानसिक तौर पर स्वस्थ नहीं है।

राहुल बोले- वायनाड छोड़ूं या रायबरेली, धर्मसंकट

तिरुवनंतपुरम. कांग्रेस नेता राहुल गांधी बुधवार 12 जून को केरल के दौरे पर हैं। लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद राहुल का यह पहला केरल दौरा है। मलप्पुरम में जनसभा के दौरान राहुल ने कहा- वायनाड सीट छोड़ूं या रायबरेली, यह मेरे लिए धर्मसंकट है।

मोदी की तरह मुझे भगवान से गाइडेंस नहीं मिल रहा है। मैं साधारण मनुष्य हूं। वायनाड या रायबरेली का फैसला मुझे खुद ही करना होगा। मेरे लिए देश की गरीब जनता ही मेरी भगवान है। मैं जनता से बात करूंगा और फैसला लूंगा।

राहुल ने कहा कि केरल और उत्तर प्रदेश के लोगों ने पीएम मोदी को बताया है कि संविधान हमारी आवाज है और वे इसको छू नहीं सकते हैं। देश की जनता ने PM को बताया कि वे तानाशाही नहीं कर सकते हैं।

चुनाव से पहले भाजपा के नेता कहते थे कि वो संविधान को फाड़ देंगे। अब चुनाव के बाद मोदी संविधान को सिर से लगाते हैं। मोदी वाराणसी में मुश्किल से जीत पाए हैं। भाजपा अयोध्या में भी हार गई है। नफरत को मुहब्बत ने हरा दिया है।

300 करोड़ की संपत्ति पर थी नजर

बहू ने 82 साल के ससुर को मारने के लिए दी सुपारी

- कार से कुचलवाया

नागपुर. करोड़ों की संपत्ति एक बुजुर्ग के लिए मौत की वजह बन गई है। दरअसल बुजुर्ग की संपत्ति पर उनके बहू की नजर थी। बहू ने संपत्ति हड़पने के लिए साजिश रचकर अपने ससुर की हत्या करवा दी। यह सनसनीखेज घटना नागपुर में घटी है, जहां एक 82 वर्षीय व्यक्ति की हिट-एंड-रन में हुई मौत हो गई। जब जांच हुई तो जघन्य हत्या की साजिश का खुलासा हुआ है। एक रिपोर्ट की मानें तो कथित तौर पर बुजुर्ग की बहू द्वारा 300 करोड़ रुपये की पारिवारिक संपत्ति हासिल करने के लिए इस हत्या की साजिश रची गई थी। इस सिलसिले में नगर नियोजन विभाग में सहायक निदेशक अर्चना मनीष पुत्तेवार को पिछले सप्ताह गिरफ्तार किया गया था। उसकी यह गिरफ्तारी ससुर पुरुषोत्तम पुत्तेवार की कार से कुचलकर हत्या किए जाने के 15 दिन बात हुई है। एक पुलिस अधिकारी ने समाचार एजेंसी पीटीआई को बताया कि अर्चना पुत्तेवार ने इस हत्या के लिए लोगों को काम पर रखा था और करीब 1 करोड़ रुपये की सुपारी दी।

पुलिस अधिकारी ने कहा, ₹उसने अपने ससुर की हत्या करने के लिए एक पुरानी कार खरीदने के लिए आरोपी को पैसे दिए थे। उसने इस हत्या को दुर्घटना में बदलने की साजिश रची।₹ पुलिस के मुताबिक, अर्चना ने जाहिर तौर पर पुरुषोत्तम की 300 करोड़ की संपत्ति पर कब्जा करने के लिए यह किया होगा।

अधिकारी ने बताया कि 53 वर्षीय महिला ने कथित तौर पर अपने पति के ड्राइवर बागड़े और दो अन्य आरोपियों, नीरज निमजे और सचिन धार्मिक के साथ मिलकर हत्या की साजिश रची थी। पुलिस ने उन पर हत्या और आईपीसी और मोटर वाहन अधिनियम के तहत अन्य धाराओं के तहत आरोप लगाए हैं। इस मामले में दो कारें, सोने के गहने और मोबाइल फोन जब्त किए गए हैं।

पाकिस्तान में गधों की संख्या अब 59 लाख, अर्थव्यवस्था फिसड्डी पर बढ़ रहे डंकी

इस्लामाबाद. पड़ोसी देश पाकिस्तान में गधों की संख्या बढ़ गई है। पाकिस्तान में पशुधन पर जारी नवीनतम आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, इस साल गधों की संख्या 1.72 प्रतिशत बढ़कर 59 लाख हो गई है। मंगलवार को पाकिस्तान में जारी आर्थिक सर्वेक्षण 23-24 में बताया गया कि देश में बोझा ढ़ोने वाले जानवरों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। आंकड़ों में बताया गया कि पिछले 5 सालों से गधों की संख्या में एक से डेढ़ लाख का इजाफा होता है। पाकिस्तान के वित्त मंत्री मुहम्मद औरंगजेब द्वारा जारी किए गए इस सर्वेक्षण में अन्य पशुधन का भी ब्यौरा दिया गया है। पशुपालन पाकिस्तान की ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। 80 लाख से अधिक ग्रामीण परिवार पशुधन उत्पादन में लगे हुए हैं।

पाकिस्तान दुनिया में गधों की तीसरी सबसे बड़ी आबादी वाला

देश है, देश की अर्थव्यवस्था में गधों की बहुत बढ़ी भूमिका है। पाकिस्तान में गधों का उपयोग ग्रामीण स्तर पर बहुत बड़ी संख्या में किया जाता है। इसके साथ ही चीन में इनका निर्यात भी किया जाता है। पड़ोसी देश चीन में पाकिस्तानी गधों की बहुत मांग है। पाकिस्तान हर साल चीन को 5 से 7 लाख तक गधों का निर्यात करता हैं, जो देश की अर्थव्यवस्था को सहारा देता है। पाकिस्तान ने चीन को जारी इस निर्यात को बढ़ाने को लिए पंजाब प्रांत के ओकारा जिले में एक फार्म भी स्थापित किया है जिसमें गधों की देखभाल की जाती है।

गधों की सबसे बड़ी आबादी चीन में है, इसके बाद भी वह पाकिस्तान से गधों का आयात करता है। दरअसल चीन में गधों की खाल की डिमांड बहुत ज्यादा है। गधों की खाल में जिलेटिन प्रोटीन की मात्रा ज्यादा होती है। जिलेटिन प्रोटीन का उपयोग शक्तिवर्धक दवाईयों को बनाने में किया जाता है। चीन में गधों की संख्या 90 लाख से ज्यादा है, लेकिन डिमांड के ज्यादा होने से यहां पाकिस्तान से भी गधों का आयात किया जाता है। चीन पहले नाइजर और बुर्किना फासो से गधों का आयात करता था, लेकिन इन दोनों ही देशों ने गधों के निर्यात पर रोक लगा दी, जिसके बाद चीन पाकिस्तान से गधों का आयात करता है।

ऑस्ट्रेलिया टीम सुपर-8 में पहुंची

पावरप्ले में ही खत्म किया मुकाबला; नामीबिया को 9 विकेट से हराया

ऑस्ट्रेलिया ने टी-20 वर्ल्ड कप 2024 में लगातार तीसरी जीत के साथ सुपर-8 में जगह पक्की कर ली है। ऑस्ट्रेलिया ने बुधवार को नामीबिया को पर 9 विकेट से शानदार जीत दर्ज की।

एंटीगुआ के सर विवियन रिचर्ड्स स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग का फैसला लिया। नामीबिया की टीम पहले बैटिंग करते हुए 17 ओवर में 72 रन पर ऑलआउट हो गई। जवाब में ऑस्ट्रेलियन ने महज 5.4 ओवर में 1 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया। ऑस्ट्रेलिया टी-20 वर्ल्ड कप के सुपर-8 में पहुंचने वाली दूसरी टीम है। साउथ अफ्रीका इस स्टेज पर पहले ही पहुंच चुका है।

ऑस्ट्रेलिया की तरफ से लेग स्पिनर एडम जम्पा ने सबसे ज्यादा चार विकेट झटके। इसी के साथ उनके टी-20 इंटरनेशनल में 100 पूरे हो गए। वहीं जम्पा टी-20 वर्ल्ड कप में ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे ज्यादा विकेट (31) लेने वाले बॉलर बन गए। उन्होंने मिचेल स्टार्क (29 विकेट) को पीछे छोड़ा। नामीबिया के कप्तान जेराड इरास्मस ने इस मैच में अपनी टीम की ओर से बैटिंग के वक्त सबसे ज्यादा समय ग्राउंड पर बिताया। उन्होंने 64 मिनट बल्लेबाजी की, लेकिन टीम को बड़े स्कोर तक लेने जाने में नाकाम रहे। इरास्मस ने 36 रन की पारी खेली और अपनी टीम के टॉप स्कोरर रहे।

नामीबिया की पारी

नामीबिया की टीम 17 ओवर में 72 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। टीम के नामीबिया के कप्तान जेराड इरास्मस ने सबसे ज्यादा रन बनाए। उन्होंने 43 गेंदों में चार चौके व एक छक्के की मदद से 36 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से जम्पा के अलावा जोश हेजलवुड और मार्कस स्टोइनिस को दो-दो विकेट मिले। पैट कमिंस और नाथन एलिस को एक-एक सफलता मिली।

ऑस्ट्रेलिया की पारी

73 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया को डेविड वॉर्नर (20) और ट्रैविस हेड (18*) ने शानदार शुरुआत दिलाई। वॉर्नर को डेविड विसे ने रूबेन ट्रम्पेलमैन के हाथों कैच आउट कराकर पवेलियन लौटाया। वॉर्नर के आउट होने के बाद हेड ने अपना आक्रामक रुख अख्तियार किया और 17 गेंदों में पांच चौके व दो छक्के की मदद

ट्रक झोपड़ी पर पलटा, 8 लोगों की मौत

हरदोई में बालू से भरा ट्रक झोपड़ी पर पलट गया। घर के बाहर सो रहे एक ही परिवार के 8 लोगों की मौके पर मौत हो गई। अब परिवार में सिर्फ एक बच्ची बची है।

मरने वालों में पति-पत्नी, 4 बच्चे, दामाद और नातिन शामिल हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। हादसा शहर से 50 किलोमीटर दूर कानपुर हाईवे पर बुधवार रात 1.30 बजे मल्लावां चुंगी के पास हुआ। मरने वालों की पहचान अवधेश (45), उनकी पत्नी सुधा (42), 3 बच्चे- सुनैना (11), लल्ला (5), बुद्ध (4), और दामाद करन (25), उनकी पत्नी हीरो (22) और बेटी कोमल (5) के रूप में हुई। मल्लावां कस्बे में कानपुर-हरदोई मार्ग पर लोग सड़क किनारे झोपड़ी बनाकर रहते हैं। प्रत्यक्षदर्शी ने बताया- रात में हम लोग सो रहे थे, तभी अचानक चीखने-चिल्लाने की आवाज सुनाई दी। हम लोग दौड़कर अवधेश के घर पहुंचे।

मालशेज में गिरा पत्थर 2 की मौत

- 12 राज्यों में तेज बारिश का अलर्ट
- मानसून गुजरात पहुंचा
- UP-बिहार में सीवियर हीटवेव की चेतावनी

नई दिल्ली. मौसम विभाग ने देश के 12 राज्यों के लिए आज तेज बारिश का अलर्ट जारी किया है। इनमें पश्चिम बंगाल, सिक्किम, असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, केरल, कर्नाटक और तेलंगाना शामिल हैं।

गुजरात में भी अनुमानित समय से 4 दिन पहले ही मानसून पहुंच गया है। राज्य के हर जिले में आज बारिश हो सकती है। इसके अलावा मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार, झारखंड और ओडिशा में भी हल्की बारिश की संभावना है।

उधर, उत्तर भारत के कई राज्यों में तेज गर्मी पड़ रही है। मौसम विभाग ने उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड के लिए सीवियर हीटवेव का अलर्ट जारी किया है। वहीं, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, ओडिशा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, मध्य प्रदेश और राजस्थान में भी लू की चेतावनी जारी की गई है।

मंगलवार 11 जून को इन राज्यों में कई शहरों का तापमान 40° सेल्सियस से ऊपर दर्ज किया गया था। उत्तर प्रदेश का प्रयागराज लगातार दूसरे दिन देश में सबसे गर्म रहा। यहां तापमान 47° के पार रिकॉर्ड किया गया। 10 जून को यहां 46.3° तापमान था। बिहार और झारखंड में गर्मी के कारण स्कूलों की 15 जून तक छुट्टी कर दी गई है।

- मालशेज घाट पर चाचा भतीजे की मौत

मानसून के कारण गोवा-महाराष्ट्र में बीते 24 घंटे में तेज बारिश हुई है। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में कल्याण-अहमदनगर राजमार्ग के मालशेज घाट पर भारी बारिश के कारण भूस्खलन हुआ। इससे पहाड़ी से एक बड़ा पत्थर ऑटो रिक्शा पर गिर गया। हादसे में चाचा-भतीजे की मौत हो गई। मरने वालों के नाम राहुल बबन भालेराव (30) और स्वयं सचिन भालेराव (7) हैं।

संक्षेप...

ठाणे के एक अपार्टमेंट में लगी भीषण आग, एक व्यक्ति की मौत

ठाणे. ठाणे शहर में बुधवार तड़के 27 मंजिला आवासीय इमारत के एक अपार्टमेंट में आग लगने से 47 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई। नगर निगम के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। ठाणे नगर निगम के आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख यासीन तड़वी ने बताया कि तुलसीधाम सोसाइटी में इमारत की चौथी मंजिल पर स्थित अपार्टमेंट में सुबह 3.11 बजे आग लग गई। बचावकर्मियों ने फ्लैट के एक कमरे में अरुण केडिया नामक व्यक्ति को बेहोशी की हालत में पड़ा पाया। अधिकारी ने बताया कि उसे नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। दो नाबालिगों समेत घर में मौजूद चार अन्य लोग सुरक्षित बाहर निकल आए।

CM एकनाथ शिंदे के '400 पार' वाले बयान पर मचा घमासान

- BJP ने किया पलटवार

मुंबई. लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) द्वारा '400 पार' के नारे पर महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे ने सवाल खड़ा किया था. एकनाथ शिंदे के बयान के बाद बीजेपी ने पलटवार किया है. सीएम एकनाथ शिंदे द्वारा 400 पार के नारे पर सवाल खड़ा करने के बाद बीजेपी का बयान आया है. बीजेपी का कहना है कि किसी भी चुनाव में लक्ष्य बड़ा रखना चाहिए, लेकिन विपक्ष ने दुष्प्रचार किया. बीजेपी नेता का कहना है कि लेकिन कोई भी चुनाव हो, एक कर्मठ कार्यकर्ता के नाते लक्ष्य बड़ा रखना चाहिए. हमने बड़ा लक्ष्य रखा भी था वो लक्ष्य पूरा हो जाता थे, लेकिन विपक्ष ने सविधान बदलने का भ्रम फैलाया. इस विषय को लेकर झूठी बातें लोगों के मन ने डाली.

बीजेपी नेता का कहना है कि लेकिन कोई भी चुनाव हो, एक कर्मठ कार्यकर्ता के नाते लक्ष्य बड़ा रखना चाहिए. हमने बड़ा लक्ष्य रखा भी था वो लक्ष्य पूरा हो जाता अगर विपक्ष ने लोगों को भ्रमित करने का काम नहीं किया होता. बता दें कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने हाल ही में संपन्न चुनावों में राज्य में भाजपा-शिवसेना गठबंधन द्वारा सीटों के नुकसान के लिए भाजपा के '400 पार' के आह्वान को जिम्मेदार ठहराया है.

'400 पार' नारे को विपक्ष ने बनाया हथियार

उन्होंने कहा कि विपक्ष ने '400 पार' नारे को सफलतापूर्वक हथियार बनाया और इसे भाजपा और उसके सहयोगियों के खिलाफ इस्तेमाल किया. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के बारे में बोलते हुए एकनाथ शिंदे ने कहा कि उन्होंने 10 वर्षों में पिछले सरकारों द्वारा 50-60 वर्षों में लिए गए निर्णयों से अधिक निर्णय लिए, लेकिन वे व्यर्थ गए क्योंकि हमें महाराष्ट्र में भी हार का सामना करना पड़ा. विपक्ष ने दावा किया कि संविधान में बदलाव किया जाएगा और आरक्षण को खत्म कर दिया जाएगा.

शिक्षक स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के लिए चुनाव निरीक्षकों की नियुक्ति

नवी मुंबई. भारत निर्वाचन आयोग द्वारा घोषित मुंबई ग्रेजुएट, कोंकण डिवीजन ग्रेजुएट, मुंबई शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के द्विवार्षिक चुनाव के लिए निर्वाचन आयोग द्वारा निर्वाचन क्षेत्रवार चुनाव पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की गई है। ऐसी जानकारी उपायुक्त (एस.पी.) कोंकण प्रभाग एवं सह. चुनाव निर्णय अधिकारी अमोल यादव ने दी।

भारत निर्वाचन आयोग की अधिसूचना दिनांक के अनुसार 26 जून को महाराष्ट्र विधान परिषद के मुंबई स्नातक, कोंकण डिवीजन स्नातक और मुंबई शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों का चुनाव होगा। इस चुनाव के अनुसार, मुंबई स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के लिए अंशू सिन्हा, भाप्रसे (एमएच:99) को चुनाव पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। श्रीमती सिन्हा का फोन नंबर 9920793676 है और उनकी ईमेल आईडी anshus72@yahoo.com है।

एन. नवीन सोना, भाप्रसे (एमएच:2000) को कोंकण डिवीजन ग्रेजुएट निर्वाचन क्षेत्र के लिए चुनाव पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। श्री सोना का फोन नंबर 8591248668 है और उनकी ईमेल आईडी nawin.sona@gmail.com है।

डॉ. महेंद्र कल्याणकर, भाप्रसे (एमएच:2007) को मुंबई शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के लिए चुनाव पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। डॉ. कल्याणकर का फोन नंबर 9324565110 है और उनकी ईमेल आईडी mahenderkalyankar@gmail.com है।

उपरोक्त तीनों चुनाव पर्यवेक्षकों से उम्मीदवार, राजनीतिक दल, मतदाता और नागरिक संभागीय आयुक्त कार्यालय, प्रथम तल, पुराना सचिवालय, महात्मा गांधी मार्ग, फोर्ट, मुंबई-32 में सुबह 11.00 बजे से दोपहर 01.00 बजे तक डॉ. कल्याणकर से संपर्क किया जा सकता है।

कैंसर पीड़ित परिवार को अन्नदान

- विद्यार्थियों को 20 हजार नोटबुक का वितरण

ठाणे. ठाणे शहर भाजपा उपाध्यक्ष व समाज सेवक डॉ. राजेश मढ़वी ने अपने जन्मदिन के उपलक्ष्य में टाटा कैंसर अस्पताल के पास कैंसर से पीड़ित मरीजों के परिजनों को स्वामी समर्थ संस्था व मुंबई पुलिस के सहयोग से अनाज का वितरण किया।वहीं सालों से ठाणे नौपाडा में हर साल गरीब विद्यार्थियों को 20 हजार नोटबुक व शिक्षा से संबंधित वस्तुओं का वितरण सरस्वती मराठी स्कूल के ट्रस्टी सुरेंद्र दिघे के हाथों से किया गया।साथ जन्मदिन के शुभ अवसर शहर के विधायक संजय केलकर,सांसद नरेश म्हस्के, , परिवहन सभापती विलास जोशी, भाजपा शहर अध्यक्ष संजय वाघुले,पूर्व नगरसेवक नारायण पवार, सुनेश जोशी, जयेंद्र कोली, राजेश मोरे,पूर्व नगरसेविका मृणाल पेंडसे, ब्राह्मण विद्यालय के ट्रस्टी केदार जोशी आदि उपस्थित थे।कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों का पूर्व नगरसेविका प्रतिभा मढवी ने आभार व्यक्त किया।

लिफ्ट में महिला डॉक्टर के साथ छेड़छाड़

- जोमैटो का डिलीवरी ब्वॉय गिरफ्तार

कल्याण. लिफ्ट में महिला डॉक्टर को अकेला पाकर उसके साथ अश्लील हरकत किए जाने का मामला सामने आया है। यह घिनौनी हरकत करने वाला आरोपी जोमैटो कंपनी का डिलीवरी ब्वॉय बताया जा रहा है, जिसे मानपाड़ा पुलिस ने गिरफ्तार कर सलाखो के पीछे पहुंचा दिया है।

पुलिस के अनुसार जोमैटो कंपनी का डिलेवरी ब्वॉय यशवंत धोत्रे डोंबिवली पूर्व में स्थित एक इमारत के छठे मंजिल पर पार्सल डिलेवरी करने गया था। उसी वक्त इमारत के सांतवी मंजिल पर फिजियोथेरेपी करने के लिए महिला डॉक्टर गई हुई थी। अपना काम पूरा कर महिला डॉक्टर लिफ्ट से नीचे उतर रही थी। इस बीच छठे मंजिल से जोमैटो कंपनी का यूनिफॉर्म पहने एक डिलीवरी ब्वॉय लिफ्ट में चढ़ा। जैसे ही लिफ्ट नीचे ग्राउंड फ्लोर के लिये शुरू हुई तभी अकेला पाकर उसने डॉक्टर के साथ अश्लील हरकत करनी शुरू कर दी।

महिला ने शोर मचाते हुए डिलीवरी ब्वॉय का विरोध किया। लिफ्ट नीचे आते ही युवक को पकड़ने की कोशिश की गई, लेकिन वह भाग निकला। घटना के बाद महिला डॉक्टर वापस छठे मंजिल पर गयी और किस घर में जोमैटो से खाना आर्डर किया गया था यह पता लगाया। इसके बाद पीड़िता ने मानपाड़ा पुलिस थाने पहुंच कर युवक के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई।

पुलिस ने बिल्डिंग में लगे सीसीटीवी के आधार पर और जोमैटो में संपर्क कर आरोपी यशवंत धोत्रे नामक युवक को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया जहां कोर्ट ने उसे पुलिस हिरासत में भेज दिया है।

धोखादायक होर्डिंग को तत्काल निकालने की मनपा की तैयारी

- होर्डिंग व जगह मालिक दोनों को भेजा नोटिस
- शहर में लगे हुए होर्डिंग के कागजात की होगी जांच

ठाणे. मनपा क्षेत्र के अंतर्गत सड़कों के किनारे लगे हुए होर्डिंग जो हवा चलने पर हिल रहे हैं उनको मनपा तत्काल निकालने की तैयारी कर ली है।वहीं मनपा ने होर्डिंग व जगह मालिक दोनों को नोटिस जारी किया है।साथ ही होर्डिंग के नाम पर जमा प्रमाण पत्र व (स्टेबिलिटी रिपोर्ट)की जांच पड़ताल भी शुरू कर दिया है।सड़क के किनारे मुक्ता एडवरटाइजिंग कंपनी का लगा हुआ होर्डिंग हवा के चलने पर हिलता हुआ दिखाई देता नजर आया।जिसका शिकायत मनपा के एडवरटाइजिंग विभाग के उपायुक्त दिनेश तायड़े,उथलसर प्रभाग समिती के सहायक आयुक्त महेश आहेर को मिलने पर स्वयं जाकर देखा।इसलिए शहर में किसी दुर्घटना से पहले सजग होकर होर्डिंग निकालने का कार्य शुरु कर दिया गया है।यह जानकारी मनपा के अतिरिक्त आयुक्त 2 प्रशांत रोड़े दी है।

एसएसटी कॉलेज में आंतरराष्ट्रीय योग दिवस के संबंध में कार्यशाला का आयोजन

उल्हासनगर. 21 जून को मनाए जाने वाले आंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर उल्हासनगर के एसएसटी कॉलेज में एनएसएस सेल मुंबई विश्वविद्यालय, एनएसएस यूनिट एसएसटी कॉलेज, आरोग्य योग और प्राकृतिक चिकित्सा केंद्र और जीवन फाउंडेशन के सहयोग से एक जिला स्तरीय योग प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया था।

इस अवसर पर ठाणे जिले के विभिन्न कॉलेजों के एनएसएस स्वयंसेवकों को 'महिला सशक्तिकरण' विषय को केंद्र में रखते हुए विशेषज्ञ मार्गदर्शकों द्वारा आयुष मंत्रालय के मानदंडों के अनुसार योग का प्रशिक्षण दिया गया। ये प्रशिक्षित स्वयंसेवक अपने कॉलेजों में जाकर अन्य छात्रों को योग का प्रशिक्षण देंगे और अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर हर कॉलेज में योग दिवस मनाया जाएगा। इस अवसर पर आरोग्य योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान के संस्थापक डॉ. विजय कुकरेजा ने विद्यार्थियों को योग के विभिन्न प्रदर्शन दिखाये एवं योगाभ्यास करवाया। इसमें विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। आयोजकोने बताया की ,इस कार्यशाला के बाद 20 जून तक ऑनलाइन माध्यम से प्रशिक्षण दिया जाएगा और 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन भव्य तरीके से किया जाएगा।

इस कार्यशाला का आयोजन एसएसटी कॉलेज के संस्थापक प्राचार्य डॉ. पुरस्वानी, आईक्यूएसी समन्वयक डॉ.खुशबू पुरस्वानी, उप प्राचार्य और एनएसएस ठाणे जिला समन्वयक प्रो.जीवन विचारे के मार्गदर्शन में एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी, संभागीय समन्वयक एवं स्वयंसेवकों द्वारा सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

पिता ने बच्चे के मुंह में कागज की गेंद ठूंसकर कर दी हत्या

कसारा. कसारा में एक पिता ने अपने 9 वर्षीय बेटे के मुंह में कागज की गेंद ठूंसकर उसकी हत्या कर दी। घटना के समय आरोपी नशे में बताया जा रहा है। पुलिस ने आरोपी पिता को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी व्यक्ति व उसकी पत्नी दोनों अलग रह रहे थे। दंपति का बेटा अपनी मां के साथ रह रहा था। सोमवार को बेटा अपनी मां के घर से लापता हो गया था, जिसके बाद उसकी तलाश शुरू हुई। मंगलवार सुबह बच्चा अपने पिता के घर मृत अवस्था में पाया गया। सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने मौके पर बच्चे का शव पाया, जिसके मुंह में कागज भरा था। पुलिस का कहना है कि आरोपी ने सोमवार रात को शराब पी थी, जिसके बाद उसने बच्चे के मुंह में पुरानी नोटबुक के पन्नों को फाड़कर उसके मुंह में भर दिया।

सत्य संस्कृति चेरिटेबल ट्रस्ट ने किया विद्यार्थियों का सम्मान

पनवेल. सत्य संस्कृति चेरिटेबल ट्रस्ट, पनवेल द्वारा कक्षा 8वीं, 10वीं और 12वीं और उच्च शिक्षा में उत्तीर्ण विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। पनवेल के 52 बंगला जिमखाना में हुए इस समारोह में 8वीं कक्षा से लेकर उच्च शिक्षा में उत्तीर्ण विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया और भविष्य की चुनौतियों को लेकर मार्गदर्शन किया गया। इस दौरान जिला स्तर से लेकर राज्य स्तर पर खेल के क्षेत्र में पनवेल का नाम रोशन करने वाले खिलाड़ियों को पुष्पगुच्छ एवं शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। नवी मुंबई में धार्मिक, शैक्षणिक और सामाजिक गतिविधियों में संलग्न सत्य संस्कृति चेरिटेबल ट्रस्ट के इस कार्यक्रम में 8वीं, 9वीं और 10वीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए कैरियर गाइडेंस सेमिनार का आयोजन किया गया, जिसमें 100 से अधिक छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में आर्किटेक्ट महेश दलवी, अंतरराष्ट्रीय मोटिवेशनल स्पीकर अंजनी सराफ, संध्या सकोरे, मेजर पवन थपलियाल, अप्पासाहेब मिसाल, संजीव सजवान, रमेश बिष्ट ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। इस शिविर में मौजूद विद्यार्थियों ने स्कूल, कॉलेज और भविष्य के लिए उचित विषय चुनने को लेकर सवाल पूछे। वहीं उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अध्ययनरत चित्रांशी जोशी, डॉक्टर रितिका ज्याला, अंश सेमवाल, प्रेरणा बिष्ट ने परीक्षा की तैयारियों के बारे में उपस्थित विद्यार्थियों के साथ अपने अनुभव साझा किए। इस कार्यक्रम में आर्किटेक्ट, मेडिकल, इंजीनियरिंग, फार्मेसी, नर्सिंग, बिजनेस के अवसर और विदेश में पढ़ाई के अवसर एवं स्कॉलरशिप आदि के बारे में जानकारी दी गई। इस कार्यक्रम में 136 लोगों लोगों ने शिरकत की। कार्यक्रम के संयोजक सुशील कुमार जोशी ने कहा के ट्रस्ट के द्वारा बच्चों के मार्गदर्शन के लिए हर साल इस कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। इस बार भी बड़ी संख्या में विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत लोगों ने बच्चों का मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में पूरनसिंह चिलवाल, संस्था के आध्यक्ष मोहन जोशी, मोहन बिष्ट, प्रताप सिंह मनराल, श्याम शाह, विलास लांडगे, बजरंग चवान, हरिश्चंद्र कांडपाल, भीमसिंह राठौर, सीपीएफ के प्रेसिडेंट भानी ठाकुर, नरेंद्र राजपूत, योगेश कापड़ी, धनंजय बिष्ट, सुरेश यादव, अरविंद पंवार, वीरेंद्र सेमवाल, परेश्वर सेमवाल आदि उपस्थित थे। संस्था के सत्यप्रकाश गोस्वामी ने सभी का धन्यवाद प्रकट किया।

पलक मुछाल ने बचाई 3000 मासूमों की जान

- वीडियो शेयर कर बताया सक्सेसफुल रही सर्जरी
- दुआ करने वालों को कहा शुक्रिया

पलक मुछाल प्लेबैक सिंगिंग के अलावा अपने सोशल वर्क के लिए भी पहचानी जाती हैं। सिंगर ने हाल ही में सोशल मीडिया पर आलोक नाम के एक बच्चे के साथ वीडियो शेयर किया था।

पलक ने बताया था कि आलोक उनका 3000वां पेशेंट हैं जिसकी हार्ट सर्जरी 11 जून को होनी थी। अब बुधवार को पलक ने वीडियो शेयर करते हुए जानकारी दी कि आलोक की सर्जरी सक्सेसफुल रही।

यह वीडियो शेयर करते हुए पलक ने आलोक के लिए प्रार्थना करने वालों को शुक्रिया भी कहा। इसके साथ ही पलक ने बताया कि अब तक वो 3000 गरीब बच्चों की सक्सेसफुल हार्ट सर्जरी करवा चुकी हैं।

गिनीज बुक में दर्ज है पलक का नाम

इस सोशल वर्क के लिए सिंगर का नाम पहले से ही 'गिनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड' और 'लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड' में दर्ज हो चुका है। इसके अलावा पलक को भारत सरकार और अन्य कई संस्थानों ने भी उन्हें अलग-अलग पुरस्कारों से सम्मानित किया है।

400 बच्चों का और इलाज करवाना है

इससे पहले एक इंटरव्यू में पलक ने कहा था कि अभी भी 400 से अधिक ऐसे बच्चे हैं जिनका वो इलाज कराना चाहती हैं। सिंगर ने कहा, 'मेरा हर कॉन्सर्ट इन बच्चों की हार्ट सर्जरी को समर्पित होता है।

वो बच्चे इंतजार करते हैं कि पलक दीदी का कॉन्सर्ट कब होगा और हमारी सर्जरी कब होगी। मैं प्रार्थना करती हूं कि भगवान मुझे इतनी शक्ति दे कि मैं अपनी इस इच्छा को आगे बढ़ा सकूं।'

बिजली गिरने से लगी आग में घर जला, मवेशी मरे

ठाणे. ठाणे जिले में बिजली गिरने से लगी आग में एक घर जलकर खाक हो गया और चार भैंसें मर गईं। नगर निगम के एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। आपदा नियंत्रण अधिकारी वसंत चौधरी ने बताया कि रविवार और सोमवार की मध्य रात्रि को शाहपुर के खैरे गांव में एक घर पर आकाशीय बिजली गिर गई। उन्होंने बताया कि आग ने पूरे ढांचे को अपनी चपेट में ले लिया और घर जलकर राख हो गया। अधिकारी ने बताया कि घटना में चार भैंसे मर गईं और पांच मवेशी घायल हो गए। राजस्व विभाग ने 6.68 लाख रुपये के नुकसान का अनुमान लगाया है।

हिंदी साहित्य जगत की हस्ताक्षर रहीं डॉ. मंजू पांडे का आकस्मिक निधन

मुंबई. महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री डॉ राम मनोहर त्रिपाठी की सुपुत्री तथा दुर्गा देवी सराफ जूनियर कॉलेज की पूर्व हिंदी प्रवक्ता डॉ. मंजू पांडे का 65 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उनके निधन की खबर मिलते ही चारों तरफ शोक की लहर दौड़ गई। हिंदी के साथ-साथ अंग्रेजी और मराठी विषयों पर डॉ मंजू पांडे मजबूत पकड़ रखती थी।

कुर्ला पश्चिम सोनापुर लेन स्मशानभूमि में उनका अंतिम संस्कार उनके पुत्र अंशुल पांडेय ने मुखाग्नि देकर की। इस मौके सांसद वर्षा गायकवाड़, विधायक राजहंस सिंह, महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री नसीम खान, चंद्रकांत त्रिपाठी, अनिल गलगली, जयप्रकाश सिंह, प्रमिला ग्रोवर, डॉ राधेश्याम तिवारी, डॉ हृदयनारायण मिश्रा, राजीव नौटियाल, एड अरविंद तिवारी, अनिल त्रिवेदी, मनोज नाथानी, वजीर चांद मुल्ला, कासिम तंबोली, द्विजेन्द्र तिवारी, डॉ नितेश सिंह, अजय शुक्ला, वरिष्ठ पत्रकार बृजमोहन पांडेय, ओमप्रकाश तिवारी, सज्जन द्विवेदी, आदित्य दुबे, विजय सिंह कौशिक, अभय मिश्रा, राजकुमार सिंह, शेषनाथ सिंह, आनंद मिश्रा, पुष्पराज मिश्रा, सुरेंद्र मिश्रा, रोहित तिवारी, राजन त्रिवेदी, चंद्रेश दुबे, राजू मेहता, धरमचंद जैन, हस्तीमल सुतरिया, कांतिलाल कोठारी, राजकुमार चपलोत, संजय यादव, प्रकाश चौधरी, चेतन कोरगांवकर, दशरथ घरवाडे, कमलेश दवे, जेडी गुरव, राजकुमार मिश्रा, उमेश सिंह, अरविंद सिंह, अतुल कदम, सुरेश यादव आदि उपस्थित थे। वरिष्ठ पत्रकार अनुराग त्रिपाठी, पुनम त्रिपाठी, लेखक अंशुल पांडेय, लीलाधर पनसानिया, तन्वी पनसानिया से मिलकर सभी लोगों ने सांत्वना दी।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म

पनवेल. पनवेल में एक शख्स ने शादी का झांसा देकर महिला के साथ कथित तौर पर रेप किया. महिला की ओर से पनवेल पुलिस स्टेशन में केस दर्ज कराए जाने के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है. अब पुलिस इस मामले में आगे की जांच कर रही है.

एक अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि नवी मुंबई पुलिस ने 36 वर्षीय एक व्यक्ति को महिला से शादी का वादा करके कथित तौर पर बलात्कार करने के आरोप में गिरफ्तार किया है. 29 साल की महिला ने मोसिन हनीफ मुजावर के खिलाफ पनवेल पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी.

न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, महिला ने पुलिस को बताया कि उसका आरोपी मोसिन हनीफ के साथ अफेयर था, जिसने उससे शादी करने का वादा किया था, लेकिन बलात्कार के बाद वो रिश्ते से बाहर हो गया था.

इस मामले में पुलिस ने सोमवार को आईपीसी की धारा 376 (बलात्कार) और 376(2)(N) (एक ही महिला से बार-बार बलात्कार करना) के तहत मामला दर्ज किया था.

आम सूचना

इस आम सूचना द्वारा मैं श्रीमती रोमा कमल बुधरानी सभी को सूचित कर रही हूं कि मेरे पति श्री कमल संतुमल बुधरानी का देहांत 4 सितंबर 2016 को हो गया है. उनके नाम पर मोटरसाइकिल हीरो स्प्लेंडर प्रो. नं. एमएच05 सीएस 8958 है जिसे अब मेरे नाम पर परिवर्तन करने के लिए कल्याण आर.टी.ओ. कार्यालय में आवेदन दे दिया है.

उपरोक्त मोटरसाइकिल पर किसी को किसी भी प्रकार की आपत्ति हो जैसे विक्री व्यवहार, खरीदी व्यवहार, गिरवी, दान बक्षीस, वारण, लीज तथा अन्य कोई लेन देन हो तो इस आम सूचना के प्रकाशित के 14 दिन के भीतर अपनी आपत्ती आर.टी.ओ. कार्यालय, कल्याण में दर्ज कराएं। अन्यथा मोटरसायकल हीरो स्प्लेंडर प्रो. नं. एमएच05 सीएस 8958 मेरे श्रीमती रोमा कमल बुधरानी के नाम पंजीकरण कर दिया जाएगा.

श्रीमती रोमा कमल बुधरानी
फ्लैट नं. 205/सी-2, रॉयल मेडोस,
मोहने रोड, कल्याण-421103

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099